







A STATE OF THE PARTY OF THE PAR 明 一种 一种 一种 一年 五年 一日 日本 一日 日本 日本 在所有对抗的。但不是以例如,可以使用的 上 海軍衛 中国国家国际联系的国际。国际 阿川明河南部 三十二四月四日(河南) 日本日本市 相信 国际国际 中国 医中国 医中国 医中国 医中国 1917年11月1日 भाषक व्यक्ति के पा दिना हात । अधिक के किए किए के विकास मान STARRESTALL TO THE TRACE OF THE STATE OF THE विश्वति गाम क्या निवास अवित अ मुनादन अस प्रकार अस्ति । THE ME STOLE WITH RESEARCH STREET STREET, STREET 秦國則 別也 有度, 非學院 : ELVIDE 6 21日 觀點 / BURE "明成 张 明智证 ("阿斯尔·阿托 中间里 澳口斯瓦克 南北市 和江田 अस्ति। कार्य । भागाना सं तार निवास । साहित्या । THE PERSON NAMED IN

中国 四十四十二

时任 中国 中国 中国 中国 中国

ना विहादत । वर्ष द দাভি করে না বিচার ভারনগালে ত अरे करम मूरे देंगा विविद्या करता पाकि के সহরে * ভাল ভাল রক্ষারি লাভিনের গিয়া মুড়াইছে দাড়ি * কাদিছে ক্রন " কহিতেছে এ বিয়ত সহিত্ত না পানি পুষেছে তোমারে। ইটিবের স্থাতি কে হায় দাড়ি প্রিয় দাড়ি বিরহে ভোষার দ বি िकिटव नाष्ट्राञ्च माणि ज्यान्य क्रांक के जात्र जात्र के कि ুকহ তাকিবেনা আৰু * হাম বাজি কি লগা জ বিহুলে ভোমার मध्न त्रजन र्रुलि नार्किय मा बाह्य से शहिस्तांक एकामा स्था भक्लि वाशात । काम नीक यानाविता निक्त वाशात अ नर्श तक मान रत्ना कन्या प्रका स्वापित क्या वि ऐसारहर दाक व्यायादमद्रा कामा लाग लाल जह द्र्यल । यह व्याद्य नवा क्य ट्यादमत विदण्ड्न # वाबूद्य मासिएड ट्यम नेप्डा द्र्य वासान मारा रिटक जम रतना दनर लाहि । ए 🔅 दन दान दान मारा नम कियरनत्र पात्र। दश्ल दश्य पान्नी मालि सात्र इत दश्य के अवद्याति দাড়ি আছে এক জাতি লঃ । দ্যালালা সানিকের সোভা অভি मंत्र के जिकि चार्क लांक चारक वृत्ति वालेक । जिलांक ध क्रकात्न भारवना निखात क्ष विक्रमाण नाम माणि जान দাড়ী।ভাবিবার আহে। ক্ষেত্র লগতের বাছি 🖈 আ माष्ट्रि गूड़ारेट रशः । भागा आहा विशासि विद्य কি হবে নাচার দাভি না এডালে না । না ক্রিছ टमारकाम्य * जिकित्मत साविकास निवास हि ঘটে হায় হায় 🔅 জৈতি ব সামের সামি **ंटिन हो विद्य अना माना वाला का अना अ** পরিস্কার। দাড়ির বিবহ শেক বাসনা রাখা হলে

इनायि नाटन जारन जय। क्रानिशक्तिमानितियो ঽ আসল কেছ अ विश्लीक

কাঞ্চন প্রের রাহা জৈমুক্ত ভাষা নাম বাদসা এক ছিল নামদার। তাহার লারিফ ছতো কেশারে কাচ্চতি ততো বাদ্দা তালে তার ও আত্তল এন-ভালে ভাল সংক্রেরঙা বরাবার, ছাখা এতি লাচ্ছেন করান। হাল মান্ত তেকেশত এমছা, হেক্ষতে রস্তল জেল্লা, তেক্লতে জেল্ল লোক্যাৰ ক লোক লম্বর বেমুমার, হাতি যোদার নাহি পার हात्म हात्म हिन स्थानाथात्। लाल क्लार्ट्य हाताः काहिल ভাগুর ভার ভেবা পারে করিতে সমার * এক পুর তার খা विद्यान श्वेशादा, नाम त्रार्थ दशाल मान जामाल। हात्रि चाल शब देशस्य। मन्दर्करव পिएटफ मिल, अल्लाशिटफ देशेल कामाल क क्लाशांत्री ज्ञारक क्ला, क्लीत भकल बन्द, शूना देवल इनत (क्त-माच । नालान। प्रवात रक्ष्मणा, श्रकात शालन रक्षमणाः निचीरनान শোড়াই দিনেতে * কাবেল লাড়েকা দেখি, সকলি হইল ভূথি पानल वास्ति वंश्वातरा । (थामालिएड वाद्या शास्त्र, छप्त नाहि রাথ কাকে লদা গতিকযোন আনন্দিভেঞ্চকোন বাতে নাছি কোন माणिलकारमध्य द्याम पिया, निमी त्रहृद्यामालिए ॥ भारकद्यान फानाज हाटी इप्पटनटा नाहि चाहे, अला स्मारन मना निवासन

अ श्रीन जान कामान गाराजाकात क 🐺 धाना বাগীচা তৈরার ধর্মার ব্যান 🐇

রূ প্রার ভাষা হ । এক রোজ সাহা জাদা বাপের ভারে। ছাতি পরে হাত দিয়া করে বিরে২ % আলম পানা क्रानश्क किले काचा शाहे। पित्नत्र यक्तव किलू एक्ट्र कामाहे अक्टरेट दिएक किছू नारि लाश जान । धित नाहि क्य ্যাল সামত জাল * ফলানা ময়ানি বিচে করিয়া খেতের बाशान नामाता तपरश कतीरक हराइ क छनिता रावेष नामा লান্ত অন্তর্গ তথনি ডাকিল সাহা উলিরের উরে 🕸 ডাঁলরে

লৈ বিলয় বাজ কোনা চ্যান । ফলানা ম্য়দানে দেহো বা-লাইটো বাগান জ োলন রুল হয় বাগ দেখিতে বাহার। বালাখানা ত্র এক বিচেতে ভাতার * বাদশার হুকুম শুনে উদ্ধির জাইয়া করিগর স্বাকারে লিল বোলাইয়া * বাদসার ছকুম জাহা কাছল স্বায় ৷ কারিপরে টাকা দিয়া করিল বিদায় * কারিপর क्षाक माद कारेगा घरणादन ॥ श्राहित्त चितित्न। गाठ त्थामानिज ्याद्यां क जिन द्वान चार्ड पिरंग कोशा पिरलक विश्वात अन को विश्वा विश्वित्र भ नाना तक कल कूल पात्रक লাগায়। আউলোভা কর দেখে নয়ন জুড়ায় * এক বালাখান। করিল তৈরার। বেহেন্ত সামান ঘর দেখিতে বাহার * नान कंडारहर काका अधूना भाषरत। यानावेल यानाथाना कंड काविष्ठ 🗰 दही बिट्य वाद्यत किल हान्यित क्रिशंत॥ क्रिशका ভারে পিল সোলার কেতার * বেহেস্ত স্থান বাগ বাছার ্রতিত। জাইর খবর বিল বাদসার কাছেতে * শুনিয়া খবর সাহা অভি খোদালিতে। স্বাকে লইয়া আইল বাগান দেখিতে লেখিয়া বাগান সাজা বোসাল হইয়া। এনাম দিলেন কারিগরে अशा किया क ल्यान मान कागान लारे वाल्यत विरहरू। ত্রের করিয়ে কেরে লেল খোলালেতে * এরার সকলে লিমা ্পাসালোতে নয়। নাচ রঙ্গে দিবা নিসী শুখেতে কাটায় 💥 ্গলে সাম ভাষালের কথা কবিল এখন। নও বাহার বিবীর তাল লোন সৰ্ব জোল ৰু অধিন যানিক কহে কেচ্ছার কাহিনী তার পাত্র লোন ভাই অপ রূপ বানি *

্র এও বাহার বিবীর বিবর**ন** *

পরি স্থানে ঘর বাদসা পরির ছরদার।

রাজ্য বাহা নামে বড়া নামদার * নও বাহার নামে এক

ক্রেটি তার ছিল । ছুরাতের খান তারে এলাহী বক্সিলো * কি কব

তার্য আমি ক্রেলের বয়ান। চাঁন্দ শুষ্য দেখে রূপ থাকিত

হয়েলা ক্রিলা লাক চক্র মুখ কিবা ছই ছুরু। কুচ শুস্ত ছুটী

শাকা মালি সর # একেত পরির জাত লাবন ভার कि कि कार्या कि ना एकरत नश्न का निवास कर कि ভবিৰ ভাষা জগতে মসন্থৰ আছে ছাপা ভাৰা বা विक विन यात् क्रवंथ माश्रात कारनर नवान जातः करिल পিয়ার 🕸 এক রোজ পরি জাদী বাপের কাছেতে। ভাতি পর হাক্ত নিয়ে মধুর স্বরেতে * কহিতে লাগিল বিবী লোন বাবা জান। নহবেতে দেল সদা থাকেত হয়বান 🕸 ছয়েব কবিতে পাদ হৈরতে আমায়। জাইতে বাসনা বাবি মাতুল আনায় छक्रवह छक्रम छनी रम्न अक वात्। छत्मन वहित्स त्नल वार লাই আমার ও শুনিয়া বেটীর কথা গোলাল অন্তরে। ছলেই এ क बिद्रा छकुम निलिक द्विदित * नव वाहा व क्षान मुकूम (पानान ह দেশেতে। জিন চারি পরি বিবী লইরা নভেতে # বালের হজুরে বিবী ছালাম করিয়া। খোসাল অন্তরে গোলো বিনায় হইয়। ত উভিয়া চলিল বিবী হাওার উপর। জাইয়া পৌছিল কার সাত্রের ঘর * দেখিয়া জে মামা তার সোলাল অন্তরে। ट्रियात क्रिया तार्थ जायनात घरत * जांच द्यामारलट्ड विवी রছিল শেখার। ছয়ের করিয়ে ফেরে ভেষা জিউ চায়ার এক রোজ জায় বিবী ছয়ের করিতে। উড়িয়া জাইতে ছিল পাইল (मिथिएक क्ष यश्रमान विराटएक अक कामाना वाशान। वाहरे अनुन ट्रे বাগ বেহেন্ত সমান * টোদিগেতে আছে তার চান্দির দিনার দরতালা উপরে আছে সোনার কেতাড 🕸 দেখিয়ে বাগের বৃধি খোলাল হাজার। উতরিল সেই ঘড়ি বীচেতে ভাহার * বাংগর বিভেতে লেখে করিয়া নজর। নানা রক ফুল আছে ছে বিন তে সম্পর্

রুত্য ফুল পাছেতে কুটিয়া। বিবিধ প্রকারে বেওা আছেত ধরিয়া * ফুলের খোন বোর ছোটে আতর ডেমন। বাজের তামাস। দেশে খোসনিত মোন ক ফিরিটে লাগিল বিধী আংগর ভিতর। কত তুরে গিয়ে গেরে করিয়া নছয় লাহা হওড়া ছগ এক বালাখান। বভুই মাকুল ঘর সাট

আমিরানা * জওহেরাত জমর্মাদ আছে বছ তর। দাল জরদ ছফেদ ছবজ অমূল্য পাথর * দেখিয়ে সে বালাখানা খোসাল অন্তরে। ধিরে ধিরে গেল তার দরতাজা উপরে * ছুমারেতে গিয়ে বিবী দেখে তাকাইয়া। এক মর্দ আছে বশে কুরছি লাগাইয়া * চান্দ শুয্য তুল্য রূপ দেখে চমৎকার॥ বড়ই হেছিন রূপ জ্ঞানি বাহার * এয়ার তু চারি জন কাছে আছে ভার। ছারেল বাজায় মর্দ হাতে আপনার *

কেয়া চক্বছে বাজাওয়ে ছারেজ তানা *জিম জিম জিম জানা নানা না * গাওরে বাজাওরে তানা, জিমতা জিমতা জিমতা দানি তানানা * তোম দেরে তাদেরে তানি, ধাতেজ তেলেনা দানি, তোম তোম ভোম ধেলাক ধেলাক

थाराज्य थाराज्य थाराज्य वाराज राज्या *

* পয়ার *

তাত্ত্বব হইল পরি নাহি শরে বাত * এনছানে এমন রুপ দিলো
পরতার ॥ ছর পরি মহ হয় ছুরতে এহার * য়ৄলুকে য়ৄলুকে
মোরা ফিরিয়া বেড়াই ॥ আদমের রুপএয়ছা কভু দেখি নাই *
চাহিয়া রহিল বিবি বেহোশী হালেতে ॥ আসকের তির ভার
নাগিলে! বুকেতে * হোশ হারা হইয়া বিবি রহিল চাহিয়া।
গোলসান জামাল দেবে নজর করিয়া * অরুন উদায় জেনো
দারওাজা উপর ॥ রওশন হইল ঘর রুপেতে ভাহার * কিবা
মুক নাক চয়ু কিবা দুই ভুকু ॥ কুচশুভ ছুরী কিবা মাজা খানি
শরু * একেতো পরির জাত তাতে নও জ্ঞান ॥ দেখিয়ে বিবির
রূপ গোলশান হয়রান * গোলশান আসক হৈল বিবির উপরে॥
আশক মাশুক দোহে হইল বরাবরে * আশকের হালে মুর্জ
হারাইয়া জ্ঞান । আপনা মতলব মোত আর্জিল গান *

* ফার্রছি হিন্দি ও বাঙ্গলা যিশ্রিত পান *
দেওানা কিয়া দেলতো মেরা তুনে শেয়ারে * গামজা ছে

शाहि, दाला कि है है कहि, को ल লিয়া ভ্ৰেছালি গোলালে প্ৰা नित्ल (य न द्यान ३, १८, न) · जानि वस्ति। (१९ इ) , १० लाइ कि जिल् ঠাণ্ডা করো আন হান 🚜 🧸 💢 🤃 **८**९.८ছ दशह त्यान , श्रीभ र्ष ८३११ । প্রার * টেনিরা প্রেরা ছুছরা মহনে উঠে ১ কো জে তাহার বলে সুনো কোমান্নি। কে ভূমি দ্যাবে कि माग दकानास घत काकात मां भीन। সুনো কনলিনি * মারিলে আপরের ভি-किं कितिएक दिशान शाविका भविदाह ह विशादका कालिया। ८० व्यानदल द्यान ८ আইশং প্রান্থোরে আলিজন দিয়ে, চি নিভাইয়ে জনভাগোর বিবি বলে শেপনা নাম মেরা ঘর প্রিধান ন ফ্রেমি নায়ে প্রিস্তারের হার ব্যারস্থা প্রিক্তির প্র (काः व दूर्व द्वार कान दलावसा । या ুনিয়া 🛠 স্বাধানের হির তেরা লাগিল পারি ভিরুকলেজা টোডে ৯ কারি ভিন আমার। সোন প'থি হৈল ছেব অ'ঘাংছ * ৰও বাহার বিনীব বেশনের গান উপায় করি কিহে বলনা এখন 🧠 🕾 (वार्याना (यात् कृतयम 🛊 (डिम्म বুকৈতে কেন্দ্রের ক্রেল্ড বি पिटिदा द्याम के सदला गरः 'रा' त

举(为'当"可问。崇

* ত্রিপদী *

কাহারের খোরে হাত. গোলসান
কাহেন বাত, কাম ভাবে হয়ে মার্ত হাল। রসে গদ ২ মোন,
কারে চুম্ব আলিজন, চুই জনে বড়ই খোসাল * নও বাহার হৈয়া
খুনি, গোল সানের কাছে বসী, কাহে কথা মধুর বচন। মুখেতে
মধুর হাস, করে ভাতে সর নাস, চক্ষু ঠাবে কেড়েলয় মোন *
পোলসন দেখিয়ে ভারে, আরকি শহিতে পারে, প্রমানল
উঠিল জলিয়া। শরাবের পেয়াল, হাতে, নও বাহারে দেয় পিতে
খায় বিবা খোসাল হইয়া * নও বাহার খোসালিতে, পেয়ালা
লইয়া হাতে, গোল সানেরে দি ব পেলাইয়া। গোল সান শরাব
খাইয়ে,নেশাতে বেতুস হইয়ে,ধরে বিবীর গলে হাত দিয়া * কাম
ভাবে মার্থ হইয়া, ধলি জে সামানীয়া, মুখে ভার কবেত চুয়ন।
কোমলে রাহিয়ে হাত সোয় দোহে এক সাভ, রসে গদ গদ

দোহার মোন * গালে ২ বুকে ২, কোলে ২ তা কেই কে, লাগাইয়ে দেয় আলিজন। ঝন ২ নেপুরের বাজা, তাতে করে হদদ
মজা, তুই জনে হইল মিলন * শিহরিল কলেবর' অন্ধ কাঁপে
থরে থর, চক্ষু মুদে রহিল লাজেতে। অটল দোহেতে ছিল
আপসেতে টলে গেল, কলি জেন প্রকল নিসীতে * নিসী
অবশান কালে, নও বাহার গোল সনে বলে, জাই এবে আপনা
ছরেতে। নিসা হলো অবশান, জাই এখন নিজ স্থান, বিদায়
করহে এনে নাথে * খোদা জনী ভাল করে, পুন কাল আসব
ফিরে, উভয়েতে হইবে জে দেখা। ভুলোনা আমারে প্রান, দ্পনীর জোমারে প্রান, আমারে নেতে রেখা সখা *

গোল সান জামাল বলে সোন * श्रांत् * প্রান প্রিয়ে। কেমনে জাইতে চাহ আমাকে তেজিয়ে * তোমা বিনে কেমনেতে রহিব ঘরেতে। না কহো এমন কথা আমার সা-ক্ষ্যাতে * তোমা বিনে প্রান মেরা বাচিবে কেমন॥ সদাই রহিবে -(यहा शान छहा हैन * नव दाहाह रिवी वल द्यान शान नथा। তোমার সলেতেপুণ হবে কালি দেখা ¾ মেরা জান তেরা হাতে বন্ধন হইয়াছে। ধড় থাত্র জাবে সেখা কহি তেরা কাছে * রবি অন্তে গোলে উদায় হইবেক সশী। আবস্য ভোমাবে দেখা দিব আমি আসি * এত বলি পরি জাদি হইল বিদায়। জাইয়া পৌছিল তার মাতুল আলয় 🕸 চারী পাঁচ পরি জারা সঙ্গেতে আছিলো। হেতা কার হাল তারা জানিয়া জে ছিলো #নও বাহার বিবী সেই পরি স্বাকারে। কছ্ম দীলেক ধনি নানান প্রকারে * দোহাই দিলেক ছেলেযান নবিদ্ধীর। নাকরো ২ বুবু একথা জাহির রাহা পরে পরি গোনে তালীয করিয়া। মাতুল আলয় বিবী পৌছিল জাইয়া * সারা দিন কাটে বিবী উচাটন মোনে। পহর এক রাত্র জবে হইল গগনে * জাইয়া পৌছিল বিবী গোল সানের घता शाल मान रहेल शूमि प्रचीस विवीत * आहेमर शान প্রিয়ে বৈস যোর কাছে। তোষা বিনে জান মেরা বেকরার আছে

তিতো বলি সাহা জানা গান আংডীল। মিন্টি সূরে নও বাহারে তিসিতে লাগিল *

* 9114 *

আইস প্রান চান্দ বদনি হান্য যাঝারে রাখি। হেরে ভোষার চন্দ্র মুখ জুড়াই আঘার জগল আখি শ্লু কাল জখন পান গেছো তুমি, পথ পানে তাকিয়ে আমি, ভিলেক না দেখলে তোমায় শ্বশন্ন ময় দেখি শ্লু

* कर्मन माठा न उपानात विविद्य *

* প্রার * নও বাং বি নোজ ছায়েরের বাহা নায় গোল শনের নিকটিতে আশে আর জাম 🛪 খুলির সাগ্র দোহার উঠে উথলিয়া। করেত পেয়ালা বাজি খুসিতে মাতিয়া । প্রেমের শাহিক পার আশক যাশুকে। জড়া জড়ি কোলা কুলি করে শু कोष्ट्रक के लोगात मुरशराज लिएक करतरक प्रथम। शरम रिवारत দোহে করে আলিজন # জানিনি ক'নিনি লইয়ে শুখেতে কাটায় निमी व्यवमारन विवि निज क्षार्म क्षाप्त 🛪 ६३ करन अति कामि निष्णु षारेत्र कार्य ॥ दानक गाउक द्वाक खुत्थर प्रामाय * এয়ছাই কতেক দিন শুজরিয়া গেলো। নও বাহারের পরে আফত ঘটন * এক পরি গিয়া ছিল ফিরিবার ভরে ॥ নও यादादत (पर्य र्गालगन छञ्जूत * मदाव यादेवा स्माट्ट देशा श्रु वाल। कतिराज्य हुन्न मान भारत निया भाल 🕸 पिथिरा भा হাল পরি ঘরেতে আসিযা। বিবির মামাকে ক্ষে বয়ান করিয়া * শুনিয়া বিবির মানা এই শ্মাচার। বছতি হইল গোসা দেলে আপনার 🕸 বসিয়া আছিল যদ গোষায় ভরিয়া। নও বাহার त्मरे ७८७ (भोष्टिन चामिया * प्रियस विवित उत्त भाश्राय জলিল। গালি দিয়ে নও বাহারে কহিছে লাগিল 🕸 ভালোভ ছয়ের তুই করিবারে আলি 🔐 আথেবে পরির কুলে কালি লাগা-ইলি 🕸 করিনি কুলের খোটা নাহিক শ্রম। দুব হও হেখা

वहेत्ड भागी है समय ४ रणना १ द्रा- ति माल भिक्तांत्स घर। পরির ছর্বাব বাটে বাং নান্ত্র ভাগের ব্রুল্ডে কালি पाने (दरानादन गूथ कि र १ ४ १ । । । । । १ १ १ १ (क्यान कार्टेव द पांच पड़ गार १ गा १ कार्ड गार्ड। किविलि करलब ८५ है। वितास स्वास्त्र है। विद्याल एडा सर १७ कि धार्त १ वर्ग । , यह य भारति कार्य जिल शाही-धैनः ६ (लर्न गूरिस म्य कर्न शहिल द्रायाप्त पात (कन আগ লাণাছল 🕸 পরির নুখ্যেত তানে ভানান ধরর ॥ গোষার 🤝 ार्म जात केरिय शत शत के (शामा (प्रश् क्वेस यहा स्माम्स्त ে কোত। পাধ্যের সাল োনা কো পরিসাত ও নাতিক भाग (इता नारिक । दम स्तान काता एक रिविशायिक स्वय # **द्धारन (प्रथारि यूथ शाला गणाइ ॥ कति न सुर्वत (याछे।** আহার কুলেতে 🛊 ভালে ভূই নিয়া ছিলি ছয়ের করিতে॥ आद्यात्व भकानि दूल धानामत् मण्ड क इरे (भाउ का डा শতো ফ জহত কোরে ৷ মহাল পাটা, ভারম গেব হুলুরে ৬ মহ-লোতে পাকে বিবি প্রিন্ন কাতে। শিসিতে চলিয়া জায় এয়ার কাছেতে । নও বাহার বিবি সেথা ভিত্য হাইবে জায়। শহ চারি পরি কেন্ন বিশা নাহি পার 🖟 এরারে লইয়া ঘুলি করে निमी कारल । निनी ज्यम रून छाई र म यापन भरतल अ दक রোজ নও বাহার গোলশান কহিনা। সোন হে প্রানের নাথ युक्ति चिलि * द्वामात श्राद्याल म्ह वर्ग प्राप्त कारे। প্রকাষ হইয়াছে তাহা ছাপা দেখোন ই % কোন অকে কিবা ঘটে কহিতে না পারে। জানের জানেন োল আছে জতো পার রু অতএব কহি আমি পোন না াব। বিপদে পড়িলে ाग्रांश नित्व क्या (न्या *

ওহে প্রান শংশা, দিও তুমি দেখা, সন্ধটেতে জদি পড়িহে কখন। জত পরিগন হইল দুশ্যন, সঙ্গে ২ তারা জেরে সর্ব ক্ষন * হেলিতে না পারি, শ্দা ভয় করি, পায় ২ ফেবে জত শখি গন * না জানি ললাটে, যোর কিবা ঘটে, নিকটে বুঝি আদিল মরন * কপালেতে জাহা, হইবেক তাহা, ভাবিয়ে জার চারা কি এখন *

প্রার *
এত বলি নও বাহার ইইল বিদায়। জাইয়া পৌছিল বিবি আশনা আলয় 🕸 এক রোজ নও বাহার জাইতে আছিল। শহচরি পরি এক দেখিতে পাইল 🗱 নও বাহার বিবি গেলে। এয়ার কাছেতে। গোপদেতে সেহ পরি গেল তার শাতে * নও বাহার বিবি জত করে ব্যাব-হার। ছাপাইয়া দেখে পরি সকলি তাহার * দেখিয়ে শুনিয়ে পরি ঘরেতে আদিয়া। বিবির মায়েরে কতে ব্য়ান করিয়া * শুনিয়া বিবির মাতা গোগা দেল হৈয়া। সেরনর মোত বিবি রহিল বশিয়া। তেন কালে নও বাহার আইল ঘরেতে। ভাকিয়ে ভাহার যাতা ল'গিল কহিতে * এমন কুকর্ম করে হেহায়া বয়তাল। নাহিক শব্য করে। এয়োন খেয়াল * কুলেতে কলঙ্ক কৈল এরে অভাগিনি। ভোষার যোনেতে এত আমি নাহি জানি এই মোত দিয়েগ'লিজাইয়া তখন। ফর্ক্সথ সাহেরে कर्ट भव विवदन अर्फ न्द्र कर्वय भाषा शाक्षा (मन देशा। नव বাহার তরে কত ক্জি হাত কিয়া * কয়েদ রাখিতে তারে হুকুম করিল। শুনিয়া হুকুম জত পরি গন ছিল * আলাদা মহলে ক্রেদ রাখিল ভাষারে । পাচ শাত পরি রাখে নেঘাবানি তরে পাহা বাল নামে দেও ছিল এক জন। চৌরাহা পরেতে রাখে ভারে নেঘাবান * কহে আদ্যের জাত পরির সহরে। কোন দিগ হৈতে কেন্ত্ আসিতে না পারে * সাহা বাল দেও জত লিয়া দেও গন। চৌরাহার পরে রহে হৈয়া নেঘাবান * নওবাহার বি. দি ক্যেদ হইল। জার ২ হইয়ে বিবি কান্দিতে লাগিল

খারের বাহির বিবী জাইতে না পাবে। এয়াব শোগেতে বিবি হায় ২ করে * নাহি খান খানা পানি করে হায় ২। নও বাহার বিবি হইল পাগলের প্রায় * জার ২ কালে বিবি এয়ার কারন। ছির নাহি হয় সক উচাটন খোন * হায়বে প্রানের মাথ রহিলে কোখায়। না দেখিয়ে ভোব মুখ প্রান কেটে জায় ভোমার লাগিয়ে সদা মোন উচাটন। দেখা কিমে রাখো পুন অধিনের ধোন * এ সময় প্রান নাথ রহিলে কোপার। কারাগরে দেখো বদ করিল আমায় *

* 竹耳 *

কোথা বলে পুদ্দ স্থা দেখা দিয়ে পান রাখ * তে মা বিনে জায় প্রান বারেক আসিয়ে দেখ * তোমার লাগিয়ে প্রান, সদা আছে উতাটন, জায় ২ প্রান মোর না হেরে জোমারি মুখ ৯ করোগারে ২দ্ধ আমি,কোখায় রহিলে ভূমি, অবলা সবলা প্রানে সহেনা আর এত ভূখ*মানিক কহে দে বিবিরে,কেনেকান্দিভেছ ফিরে এ ভূখ রবেনা পরে, সোগেতে পাইবে শুখ *

* পোল সান জাণাল নও বাহার বিবীর *
* কারন বেকারার হইবার বয়ান *

* नव बाहात कातागारत तर्ही.

(हशाय ॥ भाग मान्तत काष्ट्र जात काहेट ना नाम * नाहा

यान मिन तहेन होताह नहीत। नव वाहादत नहीत करत

करका नित * किति कार्ल कार्ति वाहि नाहि नाहि नाति। मिन

निनी कार्ल दम चरतत जिक्द * नाहि बाम बान नानि आताम

ना करत ॥ ताज निन कार्ल विभी क्षात चारकर * नृनि मात

हस्त कृता हिल मूथ मिन ॥ मार्गि कार्ति हहेन नाहि हाँ मि

भूमि * जारे मिन द्राक्त क्षम (गाजातिम काम । छथारन भान

जान कामाल भित्रमारन तम * कर्म मेन वात द्राक्त भाकातिमा

रगरला। करह रमात क्षी । मिनी रक्तन । जाहेन * ना कानि कि

হাল হৈল বোলা নাহি ছাল। এন প্রিয়ে বিনে মোরে প্রানে বাঁচা দায় * হাঘ বিনি কৈ করিলে নিরামে আমান। দিয়ে ধ্যান কৈছে কিলে এক প্রিয়ে নিরামে হাল দিলে হালেছে জুলিয়া। পুন ভারে নিনাম কেলে কিলে হালে কেলে প্রানে বিলাম হালে জালার কিলা করিলে করার হালে কালার কিলা করার করার করিব বানি ছাদিয়ে ভারায়। কোনা আইল ক কেনার রহিব বানি ছাদিয়ে ভারায়। তাহাকে না দেখে মোল প্রান্ত বালা হালে কালে কালে মোল প্রানে বিলাম বালার বিলাম কালার কালার বিলাম কালার বিলাম কালার কালার কালার কালার কালার বিলাম প্রান্ত কালার কালা

* 441 *

ও প্রান রহিনে কোথায়। বা কেন্দ্রে ভার্য প্রান যোর জায়* ना (मृद्ध (म एक्ट ग्रंथ, दिन्द्रिय जाय त्व. मद्दना यात এত দুখ, কহিব ক'হ'ব ৯ কে'বা হব তে হবা এলে মানা ছলে ভূলাউলে , যোল ুরি করে আমার বিদ্যান কোথায় 🛠 রাম ধের জিনি বৃত্ত বিলয় মাণা মান ব্যালা কচত জ্ঞা भश्रुवंशिन, (मृ.११६ नि.स.) हिंदू हिंदान इस्ति। मधे (कनो, पृत्यत्व भाग व. . . १८.। भव्यति हात दन्यूत छूपात्र ५ टाउटाड वक्न नारक, या १०० उनयूत वादक, दकावरतर । या, विष्यु , विश्व अवद द उ .. रे स्ता, स्वाप्त, इ कनक वाला, (पर्य था। अ (पर्य ट्यापात हुन वहन, ভুলে জায় মনির কেল কলে কল লোকারে আয়ায় ৯ প্রথম বিশ্ব . . শা ছবে ভুলাইলে, সে স্বাক্থা ভূৱেল কে কি... ে তোমার লাগিয়ে তবো পায়

কামিত তোমার নাশ, নাকবো মোরে
নৈরাশ, পুরাও মোর মোন আশু আসিয়ে হেখায়

প্রার
প্রার
প্রার কামি কামেন জামান জামান কান্দে বি

* পরার *

(গালসান ছামাল কান্দে বিবির কারনে। হারং করে ধারা বহে দ্ব নয়নে * নাহি ধার খানা পানি করে হার ২ ॥ উলঙ্গ পাগল বেসে কান্দিয়ে বেড়ায়॥ হায়রে প্রানের প্রিয়ে কোথার রহিলে। দুখের সাগরে মােরে ভাসাইয়া গোলে * দুখেতে ডালিবি জনি ছিল ভার মােনে। শুখের পালকে তবে বসাইলে কেনে * আগেনা বুঝিয়ে প্রান শুপিয়ে ভামায়॥ এখন ভোমার লাগি প্রান মাের জায় * আগে জনি জানি ভোমার কঠিন হলয়॥ তবে কিহে প্রান মাের শুপিভাম ভোমায় *প্রান শোম ভাল আমি বাসিয়ে ভোমারে॥ রেখে ছিলাম জন্ন করে হলয়ে পাজিরে * অবসেসে দাগা দিয়ে গেলে পালাইয়া॥ ভালাষ করিয়া ফিরি ভোমার লাগিয়া * মােন ছরি কােরে মাের পালাইয়াছ পাথি॥ ভোমার কারনে মাের বােরে ছটী আবি॥

* গান রাগিনি বেহাগ তাল আড়া *

আমারি মোন চোরা পাখি ফাফি দিয়ে গেছে উড়ে।
কে এমন বেখিত আছে সাধের পাখি দিবে ধরে *
না হেরিয়ে নেহি পাখি, দিবা নিসি ঝোরে ফা কোন সব সন্যয় দেখি প্রান বুঝিজায়রে ছেড়ে *

* গোল সান জামাল নও বাহার *

* विविद्यु अवदन दम्य वात व्यान *

* जिलि कि नं दोशादित (जादक, जाशकांका कालनादक, कांत र कांदल किवानिजि। नाहि याग्र थाना लानि, कांदल भक्त तां जिलि, भक्ति सहेल मूच मजी के मूद्र कदत शांत । कि कतिव कांवा कांव, दिश्रा कांव, दिश्रा लिया लिया कांव, दिश्रा कांव, दिश्रा लिया कांव, दिश्रा कांव,

रात्रा 🛠 रात्रात्र श्रात्नत श्रिया, काश उरेल नुकारेख, ह्रक्त भाগदि जिल्दि ।। ना पिथि जियात्र मूथ, विनित्दि कांग्र वूक थान मान करता (मथा निरंध * এই যোতে मिवा निमि, कार्न মর্দ্দ ঘরে বসি, আহার নিদ্রা নাহি তারে। নিদ্রায় করিল জात, जू जा'िर हरेल द्याव. भाग यक विद्याना छे पदत * নিদের খোমার ছিল, স্বানে দেখিতে পাইল, নও বাহার আইল ক্রে ঘরে। শুয়োর কিরন ক্রেয়ছা, ঘরে প্রবেশিল তেয়ছা, করে কথা অতি মণু স্বরে * কাছেতে বসিয়া বিশী, (मिथाय खालना ছिदि , क्लिन > गूल्य क्या क्या खळल्यात पित्य হাত, কহে শোন প্রার নাগ তোমারেনা দেখে প্রান জায় * তব বির্হেতে মরি, স্থির হৈতে নাহি পারি, টিকীতে না পারি णागो पात । अगानल पार आन, मना छे हारेन कान, च जि-लाम महा काणि त्यात्व * उतिहर शास्त्र शास्त्र, त्यलामाः थान नान, प्रश् भारत एटर थान नाय॥ मधु मूर्य कथा कछ, উঠিয়া জে পানখাও, ঠাঁঙা কবো গায়ে দিয়ে হাত * আমিত তোষার নারি; তবো জন্যে দেসভারি, হইয়ে আমি এসেছি এ प्रिंम । कत्य नक्षत्र करता , यागात् यात्रक धरता छेरठे कृषि विरमा भात भारम * भान अध्यक हि (डारत, णाहि वक्त काताशारत, अतिशादिन वछ्डे रक्षम । विनर्शक कि याणि, व्यविमा कारेरव पूर्वि, পरिशास व्यापत जामापन के धरे भाउ कथा वरल, (शाल मत्नित धरत शरल , स्माग्न दिदि इहेर्य এक माछ। शाल সান ধরিল গলে, সোয় দোহে মন্ত হালে, কোমলেতে রাখিয়ে জে হাত * কাম ভাবে মত্ত হয়ে, উক দেশে উরু দিয়ে, গলা তার ধার সামটিশ। । নিদের খেমার ছিল, তখনি ছুটীয়া (शल' (एडर मर्क वू योदि भूतिश क खगरमंड विदी छिल, नाना **ছ**ल जुलाहेल, नाहि (प्राथ (इंडन शहेश ॥ उँशेश विज्ञाना शहेरा, णालामिल नामा २.७. दालाशानात को निर्ध (विष्या * णाला-भीया नाहि भागा करत महि हात हात.याजि छाक दिवी नव वाहात ॥

হায় বিবি কি করিলে, বিনা কেনে কেনে শিলে, পুন ্ পাব বিবা তারে ধ্ব লনাটোতে আছে ছাহা, নিনা হহুবে তাহা, জাব আমি দেশ দেশান্তরে। কোণা হেল প্রানেষ্রি, তালাশ করিয়া ফিরী, জবি বিধী মিলায় তাহারে *

* शान जान कर *

* घरत तिहरू कात हरेन दशन ना *

* दरत रन हन्द्राप्य केव्र करत शान *

* कि एएएएड श्रिष्ट क्षिया, कार्टेव *

* केवानी हरेगा, पृष्टित रन भिराण *

* शिया कार्यात व्यादर्श विवास *

* शिया कार्यात व्यादर्श विवास *

* शान मान कार्याल नव वार्यात विवीस *

* जानाम एएएम उन कार्टेश दशन *

* পয়াব % গোল সান ভাষাল তবে বিবীর কারন। স্থির हैट नाहि थात दान छेठा हैन * कित है। तम कित कारन कायर करता (कारनर त्नोर इ काय वाशान वाहित * ना शारत রহিত্তে ঘরে পাগলের পায়। বিবীর তালাদে মন্দ্র নেকলিয়া ভায় * রাত্র নিসী কালে মর্জ বাহির হইল॥ চাকর নফর क्ट कान्टि नाहिल 🕸 घर ठहेट (नकलिया ठलिल রাহেতে। পরির মুলুকে মান্তকের তালাদেতে * কোন ৰিগে ঘর তার না জানে খবর। কেবল ভরসা দেলে পাক পর প্রার 🔅 রাত্র দিন জায় চলে না করে মকাম। নাহি খায় খানা পানি না করে আরাম * দিবা রাত্র জায় চলে বেছসির হালে। কখন রাজেতে চলে কখন জঙ্গলে ≉ভুকেতে কাতর জনিহয় অতি-সয়। দরজের পাত ফল ভূড়িয়া জে খায় * এই রুপে সোল বোজ গোজরিয়া গেল॥ বড়া উচা পাহাড় এক ছামনে পাইল * জাইতে২ গেল নিকটে তাহার ৷ তাকাইয়া দেখে মর্দদ করিয়া নজর * বড়া উচা পাহাড় শে আকাশ স্থান। চড়িল উপরে তার ভাবিয়া ছোবহান * পাহাড় উপরে দেখে করিয়া নজর।

लेलि तुलं পाहाए (म लङ् दतावत क वड़ा २ शाह चार्ट छे परेत्र তাহার। ফুল ফল ভাল পাতা লাল রক্স তার 🛪 চরেন্দা পরেন্দা তার জত জানপ্রার। লাল রক্ত রুণ তরে দেখিতে বাহার * দেশিয়া পাহাড় দেলে খুসি অতিশয়। পাহাড় উপরে মর্দ্দ ফিরি-शा (विष्य अ के के कुर्त (परिश अक शानित नहत । लाल तर्ष পানি ভার লভু বরাবর 🕸 লাল রজ মাছ ভাতে আছে বভুতর খাড়া হৈয়া দেখে যুক্ ভাষাদা ভাহার 🕸 দেখা হইতে কভ ঠুর নেকলিয়া জায়। আজিন বাগান এক দেখি বারে পায় * (नरङ्ख्यम्यान वान कोनिर्ग (म अत्। क अ: हता क मिया नाथा ে পে প্রার ভাষার * দবও জা উপরে আছে সোনার কেও ড়া অমুল্য পাথর তাতে আছে বেশুমার * দেনিয়া বাগের খুবি খোসাল অন্তরে। খিরে ধিরে গেল তার দরওাজা উপরে 🗯 দরওাজা উপরে দেখে করিয়া নজর। লোক জন নাহি কেছ বাগান ভিতর ্ৰেড জে আছে গাছ বাগের ৰিচেতে। নানা রক্ত ফুল ফুটে আছেত তাহাতে *বছতৰ আছে মেওা গাছেতে ধরিয়া। খোসা-'ল হইল অতি বাগান দেখিয়া * খোদার ভরদা মর্দ করিয়া দেলে-(छ। वादभव विद्वारण (श्राला छ। याना । प्रशिष्ण अ कण पृद्व গ্রিয়া দেখে আছেত তালাব। পানির খোস বোয় তার জেমন গোলাব 🛪 তালাবের চৌদিগেতে নানা রল ফুল। ফুলের শৌরবে যোন হয়তো অংকুল * गোন্দা ২ বাও ভাতে বহিছে প্রবে। ছায়া দার গাছ কতো অছে হানে স্থান 🛊 ভুক পেয়া-ছেতে অতি আছিল কাতর। খাইল জে যেওা খুব পাইয়া মছা দার * তালাবেতে খায় পানি আছুদা হইয়া। ভইল গাছের তলে আরাম পাইয়া + রাহের মান্দেগী অতি কাতর আছিল। আরাগ পাইয়া গদি শুইয়া রহিল * নিদেব খোমাব কিছু হইল তাহারে। স্বপনেতে দেখে ফের নও বাহাব বিবীরে *

প্রোল্ফান জংগল নও থাকার বিনীরে
 প্রিভিয় বার স্বানে পেলি বার বয় বয়
 প্রিভয় বার স্বানে
 প্রিভয় বার স্বানে
 প্রিভয় বার স্বান
 প্রিভয় বার
 স্বান
 স
 স্বান
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স
 স

স্কুপরার স্কুলার কাছেতে। গায় হাত দিয়া করে মধন মনেতে স্কুলার তালানে কাছেতে। গায় হাত দিয়া করে মধন মনেতে স্কুলার তালানে তুমি হোয় আফিয়া। ব্যহণ্ডৰ কায়াল্ড কিলোক না পারি আফি
কিলা কাবনে মোন ছট ফট করে। নিকিতে না পারি আফি
বিন্দি খানা ঘরে স্কুলির প্রাণ্ডর কালাইন কাছে। আ মিলনে পান মোর দাহন কইলাতে স্কুলিরা নিমী থাকি আমি চেয়ে
পথ পানে। কত নিনে প্রান্থান লাগ লাখিবে এখানে। নিছেদ অনলে
প্রান্থান জলিছে সনাই॥ নী ভল কবিবে আমী মোনে আছে তাই
এখানে আসিনে ভূমি রহিলে ভূলিয়া। দুখেব সাগরে মোরে কয়েদ
করিয়া স্বিলম্ব স্কুলনা আন ওছে প্রান্থানা ভরিত চলিয়া আইস
কেশ পরিস্থান স্কুলিয়া উঠিল স্কুলিয়া না দেশে আর সেন ওবাহারে
কান্দিতে লাগিল তবে হায় হায় করে স্কুলিয়া স্কুলেখানে
থাকিয়া॥ পরিস্থান দেশে জায় রওানা হইয়া স্কুল

米 키리 *

রাগিনী বেহাগ তাল আড়া ঠেকা *

উপায় করিব কেখন। বাবে বাবে এসে পাখি হরিয়ে লয়

মোন * স্বপনেতে এসে পাখি, প্রান লিয়া জায় দিয়ে

ফাকি, পুন ভারে নাহি দেখি, হইয়া চেতন * ঘুমের
ঘোরে বলি ধরি; ধরিবাবে নাহি পারি, যোন আনলে

জলে মরি, ঝোরে তু নয়ন * মানিক বলে রসো রায়,
খপনে কি ধরা জায়, সহজে পাবেনা ভারে করহে ভ্রমন্ধ
বিপদী

এলাহি ভাবিয়া দেলে, গোলশান
রাহেতে চলে, পরিস্থানে পরির সহবে। কোন দিগে ঘব ভার,
নাহি জানে সমাচার, পথের খবর পোছে কারে * লোক জোন
নাহি পায়, খবর পুছিবে কায়, কেবল ভবসা পবতার। ভাষা
বিনে নাহি গতি, সেই এ সজের সাতি, রাহি লোকের সেহি
রাহাদার * অধিন মানিক বলে, এলাহি মুক্লিল দিলে, আপনি

সে করেত উদ্ধার। খোদায় ভরসা দেলে, জায় মর্দ্র রাহে চলে শদা মোনে ববী নও বাহার * নাহি খায় খানা পানি; জার চলে রাত্র দিনি, তিলেক না করেত আরাম। মাশুকের গোম प्तिन , पिया निमि कांग्र हत्न , तकान थातन ना करत भाकाय * খুদাতে কাতর ভারি; জায় মদি ধিরি ধিরি, পৌছে এক নদির কেনারে। গায়েতে নাহিক জোর, তু আখি হইলো ঘোর, याजा देशन प्रतियात जिद्र 🕸 परिया दक्यादि शिया: दम्य यम তাকাইয়া, অপার সে তুরান্ত সাগর। মৌজা উঠেছে তার, পাহাডের বরাবর। দেখে দেলে হৈল বভা ভর * অপার সংগ্র গিতে জলে ঘেরা, নাহি দেখি কিস্তি বেড়া, কেমনেতে জাব शात देश । * नाहि पिथ विश्व शां , पितिशास ना पिथि नां , কোন দিগে জাইব কেমনে। দেশ ভূইছেছে এমে,বিপাকে পড়িণু भारत , थान वृत्यि कार अठ पितन क विभाग छाविया याने , দেলেতে ভাবিয়া দদ, আপনাকে আপনি বুঝায়। কেনরে অবধ মোন, ভাব ভূমি অকারন; ভোবে আর হবে কৈ উপায় # * दूषा व जिल्लात खत *

মোন পাগলরে * অপাব সাগরে পার হবে কেমন করে *
বিশ্বন পাগলরে * টোলিগেতে জলে ঘেনা,নালেখি জে কিন্তী
বেডা, পার হবে কেমন ধারা, সেই কথাটি কও আমারে *
মোন পাগলরে * জার লাগি হেথা এলে, তার দেখা নাহি
পেলে, প্রান জাবে ভুবে জলে, রক্ষ্যা কে করিবে ভোরে *
মোন পাগলরে * মানিক বলে গোলসান সনো, মিছা ভূমি
ভাব কেনো, করো শ্বন নিরাপ্তনো, সেজন পার করিবে
ভোরে * মোন পাগলরে ॥ রহমের সে তাব দিয়া, আপনি
কাপ্তারী হইয়া, কোদরতের পাল উড়াইয়া, সাগর পার
করবে ভোরে * মোন পাগলরে ॥ বেশ্বনে নাহিক গতি,
সেইত সঙ্গের সাতি, কিবা নিবা কিবা রাতি, পথি লোকের

শকে কেরে * মোন পাগলরে ॥ কানাকুজা নেকড়া লুলা, আব জত পথ ভোলা : দেখার সে পথ একেলা. কেউত পথ নোর না তারে * মোন পাগলরে ॥ কিট আদি পতক পক্ষা, জিব আদি লক্ষ্ণ লক্ষ্ণ, স্বায় সে করে বৃক্ষা, রক্ষাকি কর্বে না তোরে * মোন পাগলরে । জল মধ্যে কিড়াথাকে, সেণা রক্ষা করে তাকে, রক্ষ্যকি কর্বেনা ভোকে, পক্ষ্য পাত সে কবেনারে * মোন পাগলবে । উটনছ নবিজি ছিল, মাছে তারে প্রাসিল, তাহাকে সে উদ্ধারিল আপনি সে কর্ম করে শান পাগলরে । খলিলুলা প্রগহরে, কাজেরে ধরিয়া জারে, আতসেতে ভালে তারে, সে আতসে বাচাইলরে * মোন পাগলরে ॥ রুছ নবি জ্লানেতে বাচায় তারে * মোন পাগলরে ॥ বছ নবি জ্লানেতে বাচায় তারে * মোন পাগলরে ॥ বছ নবি জ্লানেতে বাচায় তারে * মোন পাগলরে ॥ সে জনার কোদরত এমন, করে। ভূনি তারে ম্বরন, করবে ভোনার ত্ব্দ্য মোচন, লিবে তোমায় সাগর পারে *

* গান রাগিনী বেহাগ তাল আড়া *
কি তুসিব বিধাতারে সকলি কপালে করে। তুক্য বিনে
তুরা অষ্টে বুঝি শুখ আর ফলনারে * মোনে জত ছিল
আসা হল সকল ভল্প দসা, মোনের আসা মোনে রলো
তুপতে ফল তুখ সাগরে * জার লাগি হেখা এলেম,
তারে নাহি দেখা পেলেম, এখন আমি মরি প্রানে
জানিতে কি পারে সেরে * জায় জাবে প্রান নাহি তুখ,
কেবল মাত্র এহি তুখ, দেখলামনা তার চল্র মুখ, এ তুখ
আর সহেনারে *

* প্যার
দ্বিয়া কেনারে মন্দ বসিয়া রহিল
উপায় না দেখে কিছু ভাবিতে লাগিল । রবি অস্তে গেলে সিদ
পৌছিল আসিয়া। দরিয়া কেনারা হইতে চলিল উঠিয়া। বড়া
কেক গাছ ছিল নির কুলেতে॥ জাইয়া পৌছিল মন্দ ভাহার

নিচিতে 🛊 খুদাতে অন্বির মন্দি ছিল অতিশয়। কাতরে বহিল পড়ে গাছের তলায় 🕸 বেগমা পক্ষির জোডা রৈত সে গাছেতে বাসা করে ছিল তারা গাছের ভালেতে 🛪 তুই বাচা ছিল সেই বাদার ভিতর ॥ চকু দান নাহি হইয়া ছিল দোহাকার * খোরাক লইয়া সেই ছানার কারন।। রাত্র কালে আইল সেই शाथि पूरे कन * খाইবারে দিল সেই বাচা দোহাকারে। थाताक ना याय छाता करह वारतर 🛎 এত दिन हडेल हक्क जान নাহি পাই। খাইবারে দেহ কিবা দেখিতে না পাই।। জত দিন हक् मान यादित ना दय् ॥ किছूना थादेव याता कानित निम्हय * শুনিয়া বাচ্চারকথাপাখিতুইছন॥ কহিতে লাগিল তবেকরিয়া বর্ণন थामा हादर कालि हक्तू रहेदवक मान। शामादलदक थाउ मादर যোদের পরান * বাজা দোহে বলে তবে সোন মেহের বান। কি রূপেতে কালি চক্ষ্ হইবেক দান 🕸 এত দিন গুজারিয়া এই शाल (शल। यादारतं वक्तू नान नाहिक एहेल क्ष कालि वक्तू नाम শ্বে কেন্য প্রার, বোঝাইনা কহ দেখি সেই সম'চার * শুনিয়া ছানার কথা পাখি তুই জন। কহিতে লাগিল তবে করিয়া জতন গোলশান জামাল নামেবারসার নন্দন। কাঞ্নপুরেতে ঘর সোন বিবর্নয়নওবাহার পরিজাদি পরিস্থানে ঘর। আসক হইল্মদ্তা-হার্উপর * সেই মর্দ্দ আসিয়াছে গাছেব নিচিতে ॥ চক্ষু দান তো-গাদের হবে তাহা হৈতে * তাহার জে লছ দিলে চক্ষেতে তো-যার। চকু দান হবে তবে সোন স্মাচার * পাথি গন কহা বলা করিতে লাগিল , গোলদান জামাল সব শুনিতে পাইল * খোদার ভর্মা করে রহিল ব্সিয়া। নিাস গোজারিয়া দিন পৌ-ছিল আদিয়া - পাখি তুই জন গেল আহার আনিতে। পোল সান জামাল তখন চড়িল নাছেতে * আপনা আফুল মদি আ-পুনি কার্টীয়'। আঙ্গুল হইতে লছ লিল নেকলিয়া * সেই লভ লাগাইল বাজার চক্ষেতে। চক্ষ্যান হইল তাতে খোদার কোৰরতে 🕸 বহুতি হইল খুদি ব'তা তুই জন। দেখিতে পাইল

তারা ত্নিয়া ভূবন 🕸 গোলসন জামালে বলে করিয়া খাতের। हक नाम मिटल भारत कतिरय भारत * कियन कतिरल श्रीम আযা পুই জনে। করিব খেদমত মোরা দেল আর জানে * 🕫 কি জন্য অর্নে আইলে কহনাম দার। তাহার বৃতান্ত হাল করনা পঢ়ার 🔅 আপনার কাম জদি পারি করিবারে। ছণ্ডাব পাইব তবে খোদার দরবারে * পাখি দোন এই ষত কহিলেক জবে। গোল সান জামাল হাল প্রাসিলো তবে 🕸 জে রূপেতে নও বাহার ছाয়ের লাগিয়া। বাগানের বিচে পরি ওতারিলো পিয়া * জে কপ-তে তুই জোনে খোসালিত যোনে। ফিলন হইলোসেই নও বাহার শনে * জে রুপেতে পরি নিত্ত আসে আর জায়। যিলনের পরে জাহা পরি তারে কয় ২ তার পরেনাহি আসেপরি নওবাহার। কএদ করিলো করে সপনে পুচার * জে রূপে ভাহার লাগি দেওানা **बहेशा।** वा अता बहेशा चा हिम कारत ना विलिशा अपितशा भारतरह জাবে কেমন করিয়া। একেং সব কথা কহে বুদ্ধাইয়া * এতেক শুনিয়া পাখি কহিলো তথোন॥ দরিয়া করিব পার চিন্তা কি এখন পৌছাইব লিয়া তোমায় দ্রিয়া পাবেতে। খোসালিতে থাক ভূমি গাভের নিচেতে * দিবা অবসানে ভ্যা নিজ স্থানে গেল। তারা গনে লইয়া সসি উদায় হইল * আসিয়া পৌছিল তবে পাথি তুই জন। আহার লইয়া মুখে ছানার কারন * আসিয়া- জে-থিল বাচ্চ। চক্ষদান পাইল॥ পাখি তুই জন অতি খোদাল হইল छूरे वाक्षा कर्ट जर्द या नाथ कार्ष्ट्र । (करे यक्ष चार्ष्ट्र वर्भ গাছের নিচেতে * করিয়া মেহের সেহ আমা দোহাকারে॥ ক্রিয়াছে চক্ষ্ণান কহিজে তোমাবে *জেমন ভালাই করে আমা-দোহাকার ॥ তেগনি ভালাই চাহি করিতে এহার 🕸 করিয়া মেহের এবে এহার উপরে॥ পৌছাইয়া দেহো এরে দরিয়ার পারে * শুনিয়া বাচ্চার কথা মেহের দেলেতে। গোলশানের কাছে এসে লাগিল কহিতে * আসিয়া ছণ্ডার হও আমার উপর *** शाल गान *** *8*

পৌছাইব লিয়া তোরে দরিরার পার * শুনিয়া এ কথা মর্দি খোসাল অন্তরে ।ছণ্ডার হইল তার পিঠের উপরে * বেছমেলা বলিয়া ছণ্ডার হইল জখন। কাণ্ডায় মিশিয়া পাখি উড়িল তখন * শাবা দিন পেল চলে শন্যের উপরে। সাম কালে উত্ত-রিয়ে দিলেক কেনারে * বিদায় হইল তারে কেনারে রাখিয়া গোল সাম জাখাল শেশা বহল পড়িয়া * ভুকেতে আছিল মর্দি বড়ই কাতর ॥ চলিতে তাকত নাহি গায় নাহি জোর * অধিন খানিক কচে ভারিষা খোলায়। পয়ার ছাড়িয়া এবে ত্রিপদীতে গায়

প্রাল দান কাগালকে দরিয়া কেনার হইতে
 প্রক কুরুর আদিয়া লেইখা কায় ভাষার বয়ান

* লগু ত্রিপদী 🔻 নদির কেনারে, বছতি কাতরে, সাহা জাদা শতে পড়ে। গায় নাহি জোর, ভাবে পরওার, উঠিয়া জা-है। ज न'ति र शुप' ज जरम, इहेशा (तरहाम, निम कूल तरह শুইয়া। খোনার কোনরতে, শেখা আছ্ছীতে, পৌছে কুকুর আসিয়া * শুইয়া গোল সানে, দেখিয়া নয়ানে, কাছে তার আ-। দিল। দেখিয়া বেহাল, কোমরেব দেওাল, দাঁতেতে তার ধরিল উठारेश कात, मामात छेलाव, निक वारम लरेश शिल। विवी জেই খানে, লইয়া সেখানে ছামনে তার রাখিল * সেখানে রাথিয়া, কুকুর চলিয়া আপনার কাব্রু গেল। বিশী জে ভাহার (थामाल हाकात, शाल मार्ग्स्त वमाहेल * (यर्गम चाहिल: হোস উপজিল দেখিল তু আঁখি খুলে। নদি তিবে ছিল, কেমনে আইল. কেবা আনিলেক তুলে * তু আবি খুলিয়া, দেবে তাকা-हेगा, जब रही लिका यग्न। टार्ठ जागि दाना, कठ वालाथाना, দেখিয়া তাজ্জব হয় 🗰 হাছিন ছুরত, আছে এক আওরত, খাড়া চৈয়া ছাম্নেতে। কুকুর আনিয়া, গেলো জে রাখিয়া, দকলি পাইল দেখিতে
কহে বিবা জান, হৈয়া মেহের বান, কোন জন বটে তুমি 🖟 কুকুর আনিয়া, গেল জে রাখিয়া, সত্য কহো শুনি আমি ক'হার নন্দিনি' আছো একা কিনী, লোক জোন নাহি আর।

কুরুর কে বটে, আমার নিকটে; কহ সব সমাচার * বিবী কহে তারে, কহিব ভোষারে, স্থির হও আগে তুনি। সোন সেখবর, গেলো ক্লে কুরুর, সে বটে আমার স্থামি * সে সব খবর, করিয়া প্রচার, কহিব আমি ভোমাবে। আহার করিয়া, শুস্থির তলা, বৈসনা খোসাল অন্তরে * হেতাকার কথা, রাখা গেলো হেতা। কাঞ্চন পুরে কিবা হইল। সনো সর্ব জোন, লিখী জে এখন কি কুপে মাতম পড়িল *

* भाश कामा (शाल मान कामाल शां धव क * हआ काकन भूरत माउम भाष्ठियात वसान *

গোল সান জামাল জবে রাত্র নিসী ভোগে 🗟 : कान्मिएड र परथ किन् नाहि कार्श * याति रिवारिता वाशि প্রীয়ার কারনে। জাহা নছিবেতে আছে জাব পরিষ্ঠানে 🕸 এতেক िखीया यन ७१५ थि.त थि.त । न उ वाहात (काथा वाहन वादित्य अश्लो हिल्लक प्रशक्तात विकारित कर्य। (प्राथ विशायान **জতোগু**ইয়াছেসবে *দর ওাজাখুলিরা তবে নেক লিয়া জায়। চলিল রাহার পরে বলে হায় হায় ৯ সহর ছাড়িয়া ভবে কভো তুর গেল। আলার তামাস। নিসী প্রভাত হইল * রাত্র পোহাইল জবে উটিল স্বাই॥ দেখিলো জে সাহা জালা পালভেতে নাই * ঘরে ঘবে কেরে আর বাগানেজাইয়া। হৈর নহইলসভে তালাসকরিয়া হায় হায় করে সবে কোধা সংহা জানা। কি জানি যোদের তালে কি लिখिছে খোদ। * नाथाইয়। माजानाয় কান্দিয়ঽ। তৈমুছ সাহার আগে কহিলেক গিয়া 🛊 খবর শুনিয়া সংহা তক্তেরপরেতে। বেহুস হইয়া গেরে কঃশিতে২ * কি হইল কোথা গেলো গোল সান कांघाल। हार हाय (कार्त नाहा हहेल (वहाल * जमत वाहिर्त সাবে করেজে যাত্য । কাঞ্ন পুরের দেখে পাড়ল ছেত্য * যাত্য শভিল জতো শহরবাজারে। উজিরান কহে তবে বাদশা নামদারে কান্দিলে কি হবে সাহা করেন ছবর। তালাসিয়া সাজাদায় দেখি দেশান্তর 🛪 একথা শুনিয়া সাহা পছন্দ করিলো। গোল সানে 🗻 চুড়িতে তবে লোক পাটাইলো *হরেক সহরেতারে চুড়িয়া বেডায়
কোন খানে গোল সানের দেখা নাহি পার * দিলির সহরে ঢোড়ে
নাগরের দেশে। কাসমির আছমির আরগোজরাতেতালাশে *সাম
ক্রম আরহ বোগদাদ বোখারায়। চিন ও মেছের সাম খুজিয়া না
পায় * ইউনান এছাকহানতে বহুত খুজিয়া। পাহাড় জ্বল নদী
দেখে তালাসিয়া * কোন খানে সাজাদার টেকানা নাপায়।
কাঞ্চন পুরেতে ফিরে আইল সভায় * খবর কহিলো তবে বাদশার
ছজুরে॥ খুজিন বহুত দেসে মোরা সাজাদারে * নাপাইর কোন
খানে তালাস করিয়া॥ নাচার হইয়া দেসেআইর ফেরিয়া * একথা
তিমুছ সাহা শুনিলো জখোন॥ মাতম পড়িলো ফের দেসেতে
তখন * জল্ব বাহিরে তবে কান্দিল সভায়। ছবর করিয়া সেসে
শুপিলো খোদায় * সাএর মিছকিন কহে পুশুকের বাত॥ জে
কথা ছাছিয়া আইর শনো সে হালাত * এবে সেই কুকুরেব
লিখী পরিচয়। জে রুপেতে সেই বিবী গোল সানেরে কয় *

* कूदूरवत विवतन *

ক্ষুণার *
বিনী কহে শ্বিরহারে বৈস মেহের
বান কহিব সকল কথা করিয়া বয়ান * এতেক বলিয়া বিনী উটে
খাড়া হয় ॥ পালক উপর লিয়া গোল সানে বশায় * খাবার ছামানা
জ্ব তৈয়ার করিয়া ॥ গোল সানের কাছে আনে খাঞাতে পুরিমা
গোলসান খুলায় অতি কাতর আছিল। খাবার ছামানা দেখে
খোসাল হইল * বেছমেলা বলিয়া মন্দ খাইতে লাগিল। জেমন
আছিল ভুকা তেমনি খাইল * খাইয়া হইল মন্দ খোসাল অন্তর ॥
খোদার দরগায় ভেজে হাজার সোকর * ফারাগাত হৈয়া জবে
উটিয়া বসীল ॥ বিবীর নিকটে তবে পুছিতে লাগিল * কহো
দেখি বিবী জান কেমন খবর। শুনিয়া কারার হউক আমার অন্তর
কহিতে লাগিল বিবী শোন নামদার। কুকুরের কথা আমি করি
জে প্রচার * এই মুলুকের বাদশা ছিল এই জোন। জন্মলেতে গিরাভিল সেকার কারন * জন্মলের মধ্যে এক ভালাব বিচেতে। এসে-

ছিল পরি গন গোছল করিতে * পরিধান বসন সব আড়াতে রাখিয়া। গোছল করিতে ছিল নিচে ওতারিয়া * দেখিয়া হাছিন রুপ পরি স্বাকার। ছাপাইয়া রাখে মদ্দ বসন স্বার 🕸 আড়াতে উঠিয়া তারা জত পরি গন। কাপড় না পাইয়া সবে কহিল তখন জে জন লিয়াছ কাপড় করিয়া জে চুরি॥ আসিয়া কাপড় সব দেহ ত্বা করি 🕸 নহেত করিব সাঁশ জানিবে নিশ্চয়॥ এই রুপে বার বার পরি গন কয়*তবুত কাপড় মদ্দ নাহি দিয়া ছিল। অবসেদে পরি গন শাপিতে লাগিল 🕸 জে জন করিয়া চুরি লিয়াছ কাপড় আল্লা করে শেই জন হউক কুকুর 🕸 এই রূপে সাঁপ জিদ দিল পরি গন। কুকুর ছুরত বাদশা হইল তখন * কুকুর ছুরত জ্ঞ দি বাদশার হইল। কাপড় শহিত পরির পায়েতে পড়িল *** বছত** করিল জারি পড়িয়া পায়েতে। যেহের নজরে পরি কহিল পশ্চাতে এক সাল পরে পুন আসিব জখন। আসল ছুরত তুমি পাইবে তখন 🛪 এত বলি পরি গন গেল জে উভিয়া॥ কুকুর হইয়া বাদশা আইল ফিরিরা * কুকুরের রুণে জিদি সাহা দেশে আইলো। সহরের জতো লোক ডরে পলাইলো 🕸 চাকর নৌকর জতো গেলে। পালাইয়া। সহর গিয়াছে তাই বিরান হইয়া * গোল সান শুনিল জিদ এই স্মাচার॥ আফছোছ করিল वड़ा (परल काणनात * वाणनात दाल विवी कर्त्रमा-लुहात গোল সানকে পোছে হাল হকিকত তার * কহ দেখি মেহের বান করিয়া জাহের। এখানেতে আসিয়াছ কিসের খাতের * আদমেরগোজরান হেথা নাহিকোন কালে। কিখাতরে এখানেতে কেমনে আইলে *কহিল গোলশান ভারে সোন বিবী জান। আ-মার তুক্ষের কথা করি জে বয়ান * কাঞ্চন পুরেতে ঘর জানিবে আযার। গোল শান জাযাল নাম বাদশার কুমার * বাগান বান হি এক বেহেন্ত শমান। খোসালিতে সেখানেতে করিত গোজরান ফর্ক্লখ নামেতে সাহা পরির ছরদার। নও বাহার নামে এক বেটি আছে তার * ছয়ের করিতে গেলো মেরা বাগানেতে। মোলাকাত হইল মেরা ডাহার সঙ্গেতে 🔆 হইনু আসক আমি তাহার উপর সেহবি হইল স্থা কহি সে খবর * মেলা মেলি হয দোহে খো-माल (मृत्लुड। निजा निजा चार्म विवी चारात कार्छ्ड * এখন না আসে বিবী কিসের খাতেরে। তাবে না দেখিয়া দেল ছট ফট করে * প্রমানল সদা মোন জলেছে আমার। না দেখিলে তার যুখ পানে বাঁচা ভার * রহিতে না পারি ঘরে আইমু চলিয়া বহুত তুক্তেতে হেখা পৌছিনু আসিয়া 🕸 কোন দিগে ঘর তার না জানি খবর। বিপাকে পড়েছি চারা নাহি দেখি আর ¾ কহিল সে বিবী তারে সোন নামদাব। তাল মোতে জানি আমি খংর তাহার * তোমার সঞ্চেতে তার পিরিতি হইল॥ বাপ মায় তার সব জানিতে পারিল * পাইয়ে সকল ভেদ পরির ছরদারে। নও द शार्त ताथिलक वस्थाना घरत * माश वाल नार्य এक प्रस्त ছরদার। নেঘাবান রাখিরাছে টোরালা উপর 🕸 আদমের জাত কেছ আসিতে নাপাবে। একার্নে নেঘ্বান রাখিল ভাহা-রে * সে রাহা কটিন বটে কহি জে তোমায়। নারিবে জাইতে ভূমি কহিনু শিশ্চয় 🕸 দেখিলে সে দেও জাত ভোমাকে ধরিয়া। একে বাবে জানে তুল্লে ডানিবে মাবিয়া 🛊 পরির খেয়াল ভূমি ছাত একেবারে। হেণা তৈতে জাও কিরে আপনাব ঘরে 🕸 শুনিয়া গোল সান বলে সোন বিধী জান। ভুলিতে কি পারি তারে থাকি-তে পরান * তিলেক না দেখে জারে বাচেনা পরান। ভাহাতে ভুলিমেমোর নারহিবে জান#তাহার লাগিয়েজবি জায়তো পরান তথाপি দেরেগ নাহি সোন বিবী জান *

* 171 *

* রাগিনী বেহাগ তাল আচা ঠেকা *
তারে ভুলিব কেমন। সে আমার নয়ানের তারা জিবের
জিবন * কিবা দিবা কিবারাত্র, তারি কথা কেবল মাত্র,
গোনেতে জপনা করি সদা সর্ব ক্ষম * মিন জেমন জল
বিনে, তিলেকেতে মরে প্রাণে. তেমনী তাহার বিনে

মোর জিয়াটো মরন ক্ষ আমে কি ভূলিব তারে, মোন লাহি ধ্যাধ্রে, মনি হারা ফনির যোত ফেরি সর্বক্ষন মানিক বলে প্রমের তিতে, সুকেতে লেগেছে জ রে সেকি আর ভূলিতে পারে বিশের বেদন ক্ষ

হতেক গাইয়া সাহা অজ্ঞান হইলো * 9113 * **मिर्ट विवी পानि गुर्थ कल्नि (इडोईल क्रमियल (म.वर्शकान इहै-**য়াছে জান। আশকের পথে মক রাখিয়াছে জান । সে বিবী কহিল তবে পালসানের তরে। মুট তিন রোজ তুনি থাক মেরা ঘরে 🖟 সুই ভিন রোজ হেলা আরাম্বরিলা। পরিভান দেশে তুমি कार्रेद हिला । एक्निया विकोत करा दिश्ल (मदाया पूरे विन । द्राक अवदा द्राकारिया काम ह छोटा द्रादकरक गम दान्निया কোমর। রুখছাত হইতে গেল বিশীব হালুর ঋ করে সোন বিশী জান আরজ আমার॥ বিরায় হইয়ে জাই হুজ্রে তোমার 🛠 খুসি (थामानिएक गुक्त (पर्ना विनाय। পরিজ্ञ (नरम क्रिना পৌছाय খোদায় * শুনিয়া সে বিবী তারে খোদাল অন্তরে। এক খানা খড়গ এক জাল দি । ত'রে 🕸 কহিল এখড়র্গ জালে হবে তেরা काम। मारवारन दार्था धाद (मान (नक नाम क क्थन चामिरव দেও উপরে তোমার। ভালিবে এ জাল তেই দেয়ের উপার * ক্রেদ হইবে দেও পড়িরা জালেতে । তুলিয়া এখড়গ তারে মারিবে পশ্চাতে

জালেতে পড়িলে দেও না পাবে খালাছ। কহিরুভেদের কথা করিয়া প্রকাশ 🕸 খাড়া জাল দিয়ে ভারে খোসাল অন্তরে। বিদায় করিয়া দিল পরির সহরে * অধিন মানিক কহে ভাবিয়া খোদায় ॥ পহার ছাড়িয়া এবে ত্রিপদীতে গায়

* গোল সান জাণাল পরিস্থানে পৌছিবার বরণন *

* ত্রিপদী *

দেসে জাইতে; সাহা জাদা হইল বিদায়। খোদায় ভাবিয়া দেলে

জায় যদ রাহে চলে, এই রুপে, সাত রোজ জায় * সাহা বাল

দেও জেখা, চৌরাহা উপরে সেখা, সাহা জাদা পৌছিল জাইয়া

সাহা বাল ভেগা ছিল, গোলসান সেখানে গেলো, দেখে মদ্দ নদ্ধর করিয়া & ঘোমেতে বেহোস হইয়ে, সাহা বাল দেও শুয়ে, বিছানা উপরে রহিয়াছে। পরি হেন এক বিবি উত্তম ছুরত ছবি, সাহাবালের ছেরানাতে আছে * গোলসান সেখানে গেল বিবিদ্ধে দেখিতে পাইল, মানা করে হাত এশারায় ॥ কোখা হৈতে হেথা এলে, বিপাকে পড়িয়া গেলে, আদ্ম জাত না আশে হেথায় * দেয়ের মোকাম এই, আদ্মের গোদ্ধরান নাই, কেন আইলে মওত লাগিয়া। দেও জাত জদি দেখে, ধরিয়া খাইবে তোকে, শীত্রহ জাহ জান বাচাইয়া * বিবি জত মানা করে, গোলশান না সোনে তারে, গেল দেয়ের ছামনে কুনিয়া। হাত উঠাইয়া জোরে, তামাচা মারিল তারে, ওঠে দেও চেতন পাইরা * ত্রিশনি ছাড়িয়া এবে, পয়ার ছন্দেতে তবে, কহে মানিক ভানিয়া খোনায়। জাহারে মেহের বান, আপনি সে ছোক্ব হান দেও কিবা করিবে তাহায় *

* माहावाल (पराय निष्य भाग भाग का भारत * * नड़ारे १४ ७ माहाराल याता পड़िवाय वहान *

* পয়ার *

কুদিমে উঠিল দেও হইয়ে চেতন। নজর করিয়ে দেথে আদিছে
আদম। ছামনেতে আছে খাড়া হইয়ে বেগম * দেখিয়ে আদমে
খাড়া গোমায় জলিল॥ বাম হেন গোলশানের উপরে ছাল
গোলসান জামাল তবে খোলায় ভাবিয়া। দেয়ের উপরে জাল
দিলেক ডালিয়া * জালের বিচেতে দেও কয়েদ হইল। তজ্জন
গজ্জন বড়া করিতে লাগিল। ছিড়িতে না পারে জাল করে বড়
জোর। জড়া ছড়ি কোরে পড়ে জালের ভিতর * গালা গালি দিয়ে
দেও গোলশানেরে কয়। মরিবার তরে ছুই আসিলি হেখায় *
এখনি মারিব তোরে ওরে আনম জাত। জনমের তরে তোরে
করিব নিপাত * শুনিয়া গোলশান অতি গোমা দেল হইয়া।
দেয়ের উপরে মারে খড়গ উঠাই * এয়ছা জোরে গোল সান তারে

খড় । मातिल। दूरे काक देव्या (५३ कियान वितिल * कथ्न গিবিল দেও হইয়া চ'রাজ। পাহাড গিবিল জেন হইল আওাজ अभिटि लाइन कर किन (पि ३ शन। शां १ था व कर्ला काइन তথ্ন 🖟 ধাইয়া আইল তারা গোল সানের কাছে 🛭 দেখিল আদম্ জাত খাড়া হইয়া আছে * সাহা বাল দেও কাটা দেখিয়া নয়ানে গর্জিয়া পড়িল দেও গোল সানের পানে * গোল সান তুলিয়া काल जारल पिछ परत । विक्रमिला विलिया चेक्त्र किठा हैया गारत ॥ তুই ফাক হইয়া দেও জমিনে পড়িয়া। ধড় ফড় কোরে জান জায় নেকলিয়া 🛊 এই যোত জত দেও ছামনে আইল। গোল সান জামাল সব মারিয়া তালিল * ছিয়াফাম নামে দেও আইল পরেত গোল সান জামাল ভারে ধরিল জালেতে * খড়র্গ উঠাইয়া ভারে মারিতে চাহিল। জোড় হাত কোরে দেও কহিতে লাগিল * না মারো না মারো মোরে সোন মেছের বান 🛭 মেছের করিয়ে বাঁচাও আমার পরান 🕸 হইব গোলাম তেরা জত কাল জিব। হুকুম বর-দার তেরা হামেসা রহিব *ছোলেমান নবির আমি ছওগদ্দ করিলু আজ হইতেতেরা আমি গোলাম হইনৃ ৯ জখন জুকুম জাহা করিবে আমায়। মানিব জে দেল জানে জানিবে নিশ্চয় 🕸 এই মত ছেয়াফাম জ্খন কহিল। গোলসানের দেলে তবে রহম हरेल 🗱 काल श्रेटि जात्र जात निल भिक्त निया । राष्ट्रिया রাখিল অতি যেহের করিয়া * শাহাবাল দেও আর জত দেও গণ গোল সানের হাতে মারা পড়িল জখন 🕸 দেখিয়ে সে বিবি অতি খোসাল হইল ৷ গোলসানেরে সেই বিবী কহিতে লাগিল≉মৰ্জমি করিলে বড়া শোন মেহের বান ॥ তুশমুনের হাতে মেরা বাচাইলে জান * হইন তোমার দাশি জিব জত কাল। খেদমতে রাখহ भारत इरेस यामान *

· * রুয়া *

* রাগিনী বিহাগ তাল আড়া ঠেকা *

*(शाल मान *

米口米

कित वाहात्वभराम अमाजीकरहताथ द्यारत भाग द्यारत বান 🔆 তোমার জে দাসি হবো, খেদমতে হাজির রবো, প্রান পনে যোন জোগার লা কবিব লান * আনার धन्त (कोत्न, कर्मण (ज्ञास म्यापन, स्पर् वमारेशा नित (क) रन नाम क (मिरिय (डायात मूर्य , পাশবির জভতুর, নির্দ্ধ ছিল উপঠা ডা হলো প্রান্ *

* जिला *

গোলসান জায়াল কয়, কহো দেখি পরিচয়, কেবা ভূষি কাহার মন্দিনি। কেমনে দেখের সাতে, ছিলে তুগি এখানেতে, শত दिन कारत वरला प्रिथ र्खान अ रखिन स्य कि विवि वरल ; **यादक कन्य** তলে, বটে আমি বাদসার নন্দিনি। দেল সাদ আযার নাম, ফালানা সহরে ধাম, দেও হেখা রেখে ছিল আনি * ধরিয়া সে দেও জারে, এখানে রাখিল, যোরে, কি করিব চারা কিছু নাই। মাতা পিতা কেমনেতে, আছে তারা কি হালেতে. তাহা কিছু আমি জানি নাই *পড়িয়া দেয়ের হাতে, ছিণু আমি এখানেতে, বছতি জে পেরেসান অন্তরে। আপনার কর-(गर्ड, (मर्यत कर्यन इडेट्ड, योगाडाला दाहाईल (गार्त * ইংখন সেহের কে'রে, রাখনা খেরমতে মোবে দাসি হৈয়া আমি সাতে জাব। জে হতুম করিবে জখন, সোনা মাত্র আমি তখন, দেল জানে ত'গিল করিব 🕸 সোন করি নামদার, কহ দেখিশ-মাচার, কি কাবনে জাসিয়াছ হেল। আপনি মেহের করে, ব্রান করিয়ে মোরে: কহ জত মেশন আছে বেধা *দেরের মূলুক এই আদ্য এগানে নাই, কেমানতে আইলে হেথায়। এরাহা কঠীন অতি, না আইলে অ'দম জাতি, দেও পরি হেখা সদা त्र * (शालमान कामाल दल, कठ कशा ठात (म्ला, त्यान क-রিয়ে দে বিবিরে। নও বাহার বিবির সাতে . হোলাকাত জে कुर्लिए, इरक २ कविल जाकार्त * एन्न मान कविल जारत , स्म নও বাহার তেরে, রাখিয়াছে ক্ষেদ ক্রিয়া। আ 👍 🥫 5

হেথা, মোনে বুঝে দেই কং . বেখে ছিল টোকি বসাইয়া ঋ

সাহাবাল দেও ছিল . তোহার হাতেতে হৈলে . হারা গেল সুশ্মন
তোমার। এখন খোসাল হোনে , চাবে চলে পরিস্থানে ; আরক্ত

এক শোন নামনার ঋ করম নতার করো . আহার আরক্ত ধরো ,

চলো জাই সহরে আঘার। মা বাপের কাছে হিয়া, ভাহাদের রেজা

লিয়া , জাবো আমি সক্তেতে তোহার ঋ নেল ধান সাহাজানি ,

এতেক কহিল জনি . তৈল রাজি গোলসান জামাল। দেলশাল
পোলসান আরহলো দোহে বরাবর উভ্যোতে দেলেতে খোসাল
থোদার মেহের জারে ; জেলা জায় খুনি ভারে , খুনি হালে সর্ব

খানে রয়। ছাড়িয়া ত্রিপদি ছন্দ , প্যারে করিব বন্দ , অধিন

মানিক রস গায় ঋ

* शाल मान काशाल (पलगान विदित्त मान *

शाल मान कागाल किन यूमि शामा-※ 역정점 ※ লিতে। দেল সাদে লিয়া জায় আপনার সাতে % ছেয়াফায়ে महेलक भाष चापनात। जाहेश (पोछिल (ज्या (पल मार्पत घत পৌছিল জাইয়া বিবি বাপ বরাবর॥ দেলদাদ আইল দেশে হইল খবর * ছালাম করিয়া বিবি বাপের প'য়েতে॥ সকল দুক্ষের ক্থা লাগিল কহিতে * ভাই বেরাদার জত জেখানে ছে ছিলা দেল ২০ माप विविद्ध मृद्धिपिद्ध वारेल इ. प्रत्नित दिविद्ध मृद्ध लाइ, । स গলেতে। খুসির কান্দনা দবে লাগিল কান্দিতে 🕸 দেলসানের মাতা বিবি খুসি হৈয়া মোন। বেটীর মুখেতে কত করেত চুগ্ন * পেয়ার করিয়ে তারে কোলে বসাইয়া। পুছিতে লাগিল বিবি व्याविना देश्या * कहिट वाशिन दिवि याद्यत छक्त ॥ (क রূপেতে দেও তারে লিয়া ছিল ধোরে ও জে রুপেতে রাখে দেও ক্ষেদ করিয়া। জে রুপে গোলসান জাগাল সেখানে জাইয়া % মারিয়া ভালিল দেও জালেতে ধরিয়া। কহিল সকল কথা ব্য়ান করিয়া * একেং সব কথা কহিয়াশুনায়। গোলশানের কথা কথি-

লেক বাপ মায় * আঘার সঙ্গেতে ক্লেই আইল জন্তান। দেওকে মারিল সেই সোন আক্ষান্তান∗মেহের করিয়ে এই বাচায় আ মারে নহেকি ছাড়িত যোরে দেও তুরাচারে * কবুল করির আঘি এই মেহের বানে। দাসি হইয়া রব আমি এহার ছামনে * সাদি বেহা দেহো মেরা সঙ্গেতে এহার। তোমার জনাবে এই আরজ আমার শুনিয়ে বেটীর মুখেতামাম খবর। বেগম কহিল গিয়া বাদস। বরা-বর 🛪 শুনিয়া সে বাদসা অতি খোসাল হইল। সাদির আছবাব সব তৈয়ার করিল * সাহা না দন্তর হয় সাদির জেমন। সকল আছবাব করে তৈয়ার তেমন * তবে এক দিন নেক ছায়েত পুরিয়া। বসিলেক সাহা আসি মজলেছ করিয়া 🗯 নাচ রঙ্গ গিত বাজা হইতে লাগিল। সহর বাজারে কভ জলুস হইল * আমির উমরাও সব আসিয়া বসিল। শাদি পড়াইতে সাহা ভুকুম করিল বাদসা জাদির সাদি কেবা পড়াইবে। পছন্দ করহসবে যোলা কে হুইবে *উজির কহিল তবে সোন জাঁহাগির। নছিম উদ্দিন সহর মোলা আছেত হাজির * ছকুম করিলে তবে যোলা জি আসিয়া वानमा कानित मानि नित्व পड़ाइसा * छकुम कतिल वानमा (माला জির তরে। যোলাজি বদিল গিয়া মহফেল ভিতরে 🕸 তবে নেক ছায়েত বুঝে যোলাজি তখন। সানি পড়াইয়া দিল খুসি হইয়া यान अक्षा भाषा भाषा अपि अपि अपि अप्राप्त । यक्षा भाषा । यक्षा भाषा । यक्षा भाषा । यक्षा । यक সবে কহে আলা ২ * সাহা জাদির সাদি জদি মোলা পড়াইল ॥ খেলাত वयम्य कठ शालां शि शाहेल * शान शाल शाहेरप्र মোলা নেহাল হইয়া ॥ খুসি খোসালিতে গেলো ঘরেতে চলিয়া * शशंत * एन गाप्त मानि देश्न शान मार्ने मार्ज । সহর সমেত খুসিহৈল সকলেতে 🕸 রঞ্জিন করিয়া আমি সাদির ব্য়ান। নাহি জে লেখিণু ভার সোনহে সন্ধান। বাড়াইলে কেজ্বা তবেপুথিবেড়েজায়।একারনেযোজেছেব্ব বিশ্বহেতায় 🕸 একারনে আমি তবেমোক্তেছার কিয়া। সাহা জাদির সাদির কথা গেনু জে লেখিয়া * খুসি খোসালিতে সাদি হইল দোহার। গোল শান

জামালে লিলো মহল ভিতর * সাত রোজ রহে মর্দ্দ মহল ভিতরে দেল সাদে লইয়া অভি খোসাৰ খাভেরে 🤋 কিন্তু অন্য কাজে নাহি গোল শানের খোন , আলানা বিছানে শুয়ে রহে তুই জন দেল সাদ বিবি কহে শোন নামদার॥ কেননা মতলব ভূমি প্ররাও আমার 🕸 গোলসান জামাল বলে সোন বিবি জান। ছও গন্দ করেছি আমি দেলেতে নিদান 🕸 জত দিন নাহি পাই নও বাহা বিবিরে। তুনিয়ার লক্ষত হারাম আমারে * এতেক শুনিয়া বিবি খামোস হইল। গোলসান জামাল ফের কহিতে লাগিল * নও বাহারের লাগি যোন উচাটন। বিদাধ করতে যুঝে हार পরিস্থান * খোদা জদি ভাল কবে আসিব হেথায় ॥ খোসা-লিডে বিবি মুঝে দেহনা বিদায় * একবা শুনিয়া বিবি ঘরেতে कारेगा। এक कामिन এक টুপি पिटनक यानिया * करिन এ টুপি এয়ছা কেরামত ধরে॥ ছেরেতে রাখিলে কেছ দেখিতে না পারে *জাম্বিলের গুন এয়ছা কি কবো তোমায়। খাবার ছামানা জত তাতে পাওা জায় 🔆 জখন জে ইচ্ছা হয় আপনার দেলে॥ জান্বিলে তালিলে হাত তখনিতা মেলে 🛪 জান্বিল আর টুপি বিবি দিয়া জে ভাহায় ॥ খোসালিতে শাহাজাদি করিল বিদায় विमाय इहेल यम (थामाल (मलाउ । (ছ्याकार्य द्वर्थ (भल বিবির খেদমতে * বাদসার জন্ধুরে কের হইয়া বিদায়।। যোজা-জির সাতে দেখা করিবারে চায় * যোলাজি কারনে এক চোব দার ভেজিল। চোবদার জাইয়া তারে ডাকিতে লাগিল * মো-ল্লাজি বাহিরে আদি গোষ। হইল মোনে ॥ কহিতে লাগিলে। বাত চোবদারের সোনে *

* মোলাজির উক্তি *
* হিন্দি ও বাঞ্চলা মিপ্রিত গান *

মোল্লাজি গোলাজি কহকে আযায় কে ডাকিল * সহর মে বদনাম কিয়া লোকের কাছে লজ্জা দিল * ছোড়া হায় হাম যোলাকি কাম, কেঙ মেরা কিয়া বদনাম.

ও বাতে শ্রম হেরা কেন মোলা মোলা কলো * * शिलमान काग्न राज गार्व ३ (या लाकित निक्रे * * इहेट दिलास इहेसा शहकात काहेवात दसान * গোল সানের কাছে জনি মোলাজি 米 어디에 목 আইল। সাহা জারা তার কাছে বিদায় হইল * সেবেতে ভরসা করে পাক পরভার ৮ পবির সহতে জার বালিয়া কোমর 🔅 সাত রোজ রাত্র দিন জায়নেকলিয়া। পরির সহবে মর্দ্দ পৌছিল জাইয়া भरत दकामाना वडा एमिएड अन्यत दकाछ। दानायाना घर আছে বহুতর * লাল হিরা জ্ঞাহের পাধ্র হুইতে। বা•াইয়াতে ঘর সব জন্ত পরি জাতে 🕸 জগরাদ পাণরে থানি আছে ২রে থরে চাহিরা দেখিলে চক্ষু নাহি আইদে জিবে 🛠 স্থানেং কত বাগ ক-রিছে তৈয়ার। নানা রঞ্জল ভাতে দেখিতে বাহার 🛎 টুপি ভেরে দিয়ে মন্দ দেখিয়া বেছায়। কেছ নাহি দেখে ভারে সে (मृद्ध म्वास क्रिया महत्य प्रति च्रित्स क्रिया महत्त्र विद्रः मिल धीमयो विकास * नव वाकात विविद्ध कालार्य घरत घरत। গোপন হইয়া ঘদি ভালাসিয়া ফেরে 🕸 কোন খানে নাহি পায় বিবির সর্কান। ভাবিতে লাগিল যদ হইয়া হয়রান * সহর বিচে-তে আমি জত বরে ধরে। ভালাস কবিন কোখা নাপাইনু তারে* ना अर्गन दम न ३ वर्ष दह दवर एए दक्षा वर्ष । कि क्रिक दक्षिय कार ना एक थि दिया अध्कारा स्थल धान धिरम कृलिएम का भारत ভোগার লা িয়ে প্রানহুর ফট করে ৯ এত দুক্ষু কোরে আমি এ খार्न क.रेम् । जात लागि यानि अत प्राना भारेतृ। उर्देश পा भो हे ज दन का यात कि कल। दर्ज कर दकान चा यि খा है स গ্রল * কত্বা সহিব আর বিভেন্ বেদনা। সহেনা সহেনা

* গান * •

* গান * •

* গাননী বেহাগ তাল আড়া *

কতবা শহিব আর বিচ্ছেদ বেদন * তাহারি;আনলে

আর যোনের দাহনা *

নোর দহিছে জিবন , কিশ রাত্র কিশ বিদ্যা কোনতে ছি বিচ্ছেদ আনলে নিভালে নালে ভে জাল কোলে ওঠেবে দিশুন*জার লাগি এই কেগি, আনিয়াছি ইল বৈদ্যাগি তার অগিলনে প্রান বাজিরে কোন আন মানির বলে গোল সান সোন, এত কোন হাল কোন, নাল স্বরন নিরাঞ্জন, পারে তার দরশন ক

* जिल्हों ४ গরে ১ তালালিয়ে, নও বাছারে না পाইয়ে; হহল মর্ল বড়া পেরেম ন। ফরলাগি এত রুখ, না দেখি তाহात गूर्य, (क्यानाउ वर्षाहत्व यतान अ ८०१ लगाड याचेशा पिन. বিসাদ ভাবিয়েমদ, সহরেতে চুড়িয়ারে ড়ায় নাছিপ য় কোনখানে, ভালাসিয় স্থানেই,সহবের বর্গিরেতে ভায়৸সেশ একবাপ ছিল ; তাহার বিচেত্তে গেল . বেশে ঘ্রি করিয়া • দর। বড়া এক তালাব আছে, ঘাট তার ব্যক্তিয়াতে, লাল সার, দিয়াছে পাথর * মেওা দার গাছ জত, অ'ছে স্থানে স্থানে কও: কাতা মেতা ধরিছে তাহায়। ভূকেতে কাজর ছিল, ভূড়িয়া সে মেওা খাইল; তালা-বেতে পানি ফেব খায় * টুপি দিয়ে ছের পরে, রহে বসে খাট পরে, কেছ তারে দেবিতেনা পায । সে বাগেব এক ধারে, রাখিছে দে নত্রভারে, আহার নিজালতি ভাষ * নাহি খায় थाना शानि, कार्य रिदि दाव दिनि, वंलन इटेल बुधकिन। চন্দ্র ভুলা রূপ ছিল, দেশগেতে ডুগাইয়া গেল, মুখে আর নাহি হাসি খুসি 🐎 বছেত্রের স্থিগন, সবে হইয়ে এক মোন, করে গিগে বাদসা ভাবিরে। সেনং বিবি জান, করি এক মিবেদ্ম , মোরা লবে তেখার হুদ্ধর & আম্রা সকলে খিলি, খিনতি করিয়ে বলি, যাও রুমে কিছু খানা পানি। অকা রনে তুমি কেনে, দিতে আছ দুক্ষ্ জানে, মিছা কেন হও পেরে সানি 🔆 ভূমিত ছাহার লাগি, হইয়াছ প্রান তেগি, সে এখানে আসিব কেমনে। সেহতো আদ্ম জাত. এখানেতে কি ছুরাত मामिर्वक (प्रम পরি স্থানে * স্থি গ্রন করে জাহা , বিবি নাহি

সোনে তাহা, কান্দে বিবি হয়ে জারং। কহে প্রান জায় ভাল, বার ২ কেন বল, প্রান রইতে করব না আহার *

* গান *

বাগিনি বেহাগ তাল আড়া ঠেকা

 আমার জিবন অসার

 এ জিবনে মরন তাল বেঁচে কি

 শুসার

 বাঁচিয়া আর নাহি শুখ, বড় উপজিল ছুখ, দিবা

 নিদী এ জন্ত্রনা সহেনা আমার

 জার লাগি কান্দে

 প্রান, জদি না হয় তার ফিলন, জিবন জৌবন তবে

 থেকে কি আবার

*

* প্রার * স্থি গ্ন নও বাহারে কভ বুঝাইল। এয়ার সোগেতে বিবি কান্দিতে লাগিল * কোন মতে নাহি সনে দেখে সখি গণ। বিবীর নিকটে হইতে চলিল তখন * এই রুপে তিন চারি রোজ চলে গেল। এক রোজ সধি সবে তালাবেতে **धा**डेल * कलिंग लहेगा जल बानि वादत जाग्र ॥ छालाद्वत ঘাট পরে গিয়া খাড়া হয় * ঘাট পরে কহা বলা করে সখিগন। দেখ দিদি সাহা জাদির খেয়াল কেমন * আসক হইল বিবি আ-দমের পরে। ভার লাগি খানা পানি সব ভেগ করে 🗱 হরিজা 🛶 জিনিয়া রুপ বিবির্মাছিল। সোগেতে শুখাইয়েগিয়ে মলিন্হইল আসিবে কেমনে আদম পরির সহরে॥ আদ্যের জোগ্যতা কিবা আইদে হেথা কারে * মিছে সে খেরালে খারাব করিতেছে জান নাহি জানি নও বাহার বুঝিল কেমন * চলো দিদি আজ গিমে বুঝাই ভাহারে। খাণ্ডাইতে পারি কিনা নও বাহার বিবিরে * মুখি গ্ন সেথানেতে জতেক কহিল। গুপনে থাকিয়া জামাল मुकलि स्वित्व * पिलाट इहेल वड़ा थामाल उथन । थामा তালা দিল যোরে সকান এখোন * সখি গণ সেথা হইতে জখন চলিল। গোলসান জামাল তার সঙ্গে সঙ্গে প্রেল * নওবাহার জেই ঘরে কয়েদ আছিল ॥ সখিগন সেই ঘরে জাইয়া পৌছিল * কপাট খুলিয়া জায় ঘরের বিচেতে॥ গোল সান জামাল তার

পোল সাতে ২ % দেখি নওবাহার তবে খোসাল হইল। তাজ ছেরে দিয়ে মর্দ্র গোপনে রহিল % সখীগন কহে গিয়ে নওবাহার তরে। আরক এক করি ঘোরা তোমার হুছুরে % নাহক খারাব তুমি কেনে করো জান॥ গোছল করিয়ে কিছু খাও বিবি জান % আদম বেওফা জাত তাহার কাবন। করিছ খারাব তুমি আপনার মোন % এখানে আদম জাত আসিবে কেমনে। কেমোন,খেয়াল তোা কেয়ছা বোঝা মোনে % শখি গন জত কহে নও বাহার বিবিরে। কিছু নাহি সোনে কেবল হায়হার করে॥ প্রানের অধিক ভাল বাসি আমি জায়। তারেকি ভুলিতে পারি তোদের কথায় %

ওগো সখি গন-করিয়ে কেমন,ভূলিবারে তারে বলোগো আমায় * শেজে আমার প্র'ন,জিবনের জিবন; প্রানের অধিক জ'নিত তাহায় *সদা জার তরে, তু নয়ান ঝোরে, না দেখিলে তারে, প্রানে বাচা দায় * জায় জাবে প্রান, হবো পারিতান, এ বিশদে রক্ষ্যে হইবে আমায় *

শ নও বাচারের সহিত গোলসান
 শ ডামালের পুন হিলন ইটবার বয়ান

* পদ্ধার *

বোঝালে না বোঝে জাদ দেখে
শবি গন। কপাট করিয়ে বন্দ চলিল তখন * গোলসান জানালি
রহে ঘরের বিচেতে। গাবেব থাকিয়া মন্দি লাগিল কহিতে *

সোন বিবি কহি আমি ভোমাকে খবর। জার লা গিকান্দ তুমি কেনো
নহে ভোগার*ভোমাকে ছাড়িয়াসেহআছে মুসিমন। তুমি কেনো
কান্দ বিবি ভাষার করেন * গার্র থাকিয়া জাদ গোলসন কহিল
নও বাহার বিবি ভালে সোম্কিখা ভাইল * ঘরের চৌদগো বিশ্লি
দেখিতে লাগিল। কোন খানে কিছু নাছি দেখিতে পাইল * দহাঁ
সভ পাইয়া বিবি লাগিল কহিতে। কোথা হৈতে কেবা কথা কহ

যোর সাতে * গাবেবি ভ্রিয়া কথা যোনে লাগে ভয়। ছামনে
* গোল সানে *

আসিয়ে মেরা দেহ পরিচয় * গোলসান কহিল বিবি বলি জে তোযারে। কিবা পরিচয় দিব তোমার ছত্মরে 🗱 তোমার বন্ধুর সাতে সাক্ষ্যাত আযার। এ কারনে আসিয়াছি কহিতে খবর 💥 জাহার লাগিয়ে তুমি আছ পেরেসান। তোমার উপরে বিবি তার নাহি জান * তোমাকে ছাড়িয়ে সেই খোসাল খাতেরে। कति शाष्ट्र मापि এक वापमा कानित्र * अहे कथा शासमान जयन कहिल ॥ जात्र श्रेट्य विवि काणिट जागिल *हितात जालूति ছিল বিবির হাতেতে। অঙ্গুরি খুলিল বিবি মুখেতে ডালিতে অসুরি ভালিতে মুখে এরাদা করিল। গোলসান স্বামাল হাত ত-र्याने धतिल 🕸 धतिल शालमान हा उ भारत्य थाकिया। न अवाहात বিবি তবে ওঠে চমকিয়া # কে জুমি ধরিলে হাত আসিয়ে আ-মার। ছাড়ি দেহ হাত মেরা পাইয়াছি তর * নও বাহার বিবিজ-খন একথা কহিল । টুপি ওতারিয়া মর্দ্দ ছামনে আইল *গোল-পান জাযাল জদি ছামনে দাড়ায়। নও বাহার বিং দেখে চিনিলেক তায় 🕸 দেলেতে হইল বিবি বহুতি খোসাল ॥ মাতার সিন্দুক । (करना भारेल कावाल * यतात धर एए क कान। व्यात्मला अप्ता क्रिन लाग क्रम् मान * पूरे अपन रहेल भूमि वृक्छ प्रात्मा ॥ शूमित कास्ता प्राट् लागित कास्ति *

* গাল *

* বাগিনী বেহাগ তাল আড়া ঠেকা *

ছথ আর বলব কি ভোমায় * কহিতে না পারি তুখ
প্রান কেটে জায় * ভোমা ছাড়া জত দিন, বিরহ
আনলে কিন, জলে প্রান দিন ২, সহা নাহি জায় *

কারাগরে বন্ধ থাকি, ছখ বিনে শুখ না দেখি, সদা

বোরে ছটি আখি, না হেরে ভোমায় *প্রানকি আমার

ধড়ে রইত, এত দিন বাহির হৈত, তবে জে আছেহে
প্রান ভোমারি আসায় * বিধাতা সদায় ছিল, যুগল

মিলন হইল, জত ছুখ হুরে গেল, হেরিয়ে ভোমায় *

ৰও বাহার বলে প্রান: কি কু * जिलि * পেতে পরিস্থান, আইলে তুমি কহো সমাচার। দেখিয়ে তোমার মুখ, তুরে গেল জত তুখ, শুখের আর নাহি পারা পার * গোল-সান জাযাল তাহে, বয়ান করিয়ে কহে,শোন বিবি চুক্ষের খবর कहिएड (म मद क्या, शास्त वड़ लाश दिश, कड दूथ घढ़िल আযার * একে ২ প্রকাসিয়া, কহিল ব্য়ান কিয়া, জত কিছু चरि ছिल जारत । एक क्रांप भागल रहेल, चत्र देश्ए दनकलिल, **জে রূপেতে পৌছিল পাহাড়ে *** বাগান বিচেতে থাকে, জে कृत्य चर्नात एत्य , ज्या रहेट आहेल (क्यन ॥ प्रतिया किनात -গেল, জে রূপে পড়িয়া রইল, একে একে কহিল তখন हकू पान पाथि (परत, करत ছिल (क श्रकात, पात वहेल प्रतिया জেমন। কুরুর জে রুপে তারে, লিয়া গেলনিজ ঘরে, বিবির কাছে রাখিল তথ্য * জাল খড়গ জে প্রকারে, দিয়া ছিল বিবি তারে **क्रिक्ट (मरा हरेल काय । माहराल (मर्ये मार्क, क्रिक्र** रत्र (कई भएउ, একে একে সকলি শুनार * সাহাবাল মরে (জয়ছা, বয়ান করিলতেমছা,আর জতোমরেদেওজাত। ছেয়াফামধরাগেল. **(क क़र्टि शालाय रहेल,कर्ट यक्ष जव रकिक्ड क राज जाम विविद्य** সাতে. হয় সাদি জেই মতে, জায়িল তাজ দিল জে প্রকার। জত किছ गांकातिल, এकে এकে खनारेल, खन विवि शांनाल-হাজারঃ শুখের মিলন হইল, জত ছুখ দুরে গেল,রশ বাক্য লাগিল কহিতে। নও ৰাহার বলে নাখ, সোনহ আমার বাত, প্রান আমার বাচেনা খুনাতে *তোমা ছাড়া জত কাল, নাহি খাই অন্য জল, **इत्क श्राम वाराम अथम। भाम श्राम कि एकारा : कि हू** খাইতে দেহ যোরে, তবে ঠাণ্ডা হয়ত জিবন * গোল সান জা' মালে জদি, কহিল সে সাহাজাদি, শুনে হাত দিল জায়িলেতে। জাশ্বিলেতে হাত দেয়, নানা উপহার পায়, দিল তাহা বিবিকে খाইতে * थाইবারে পায় জদি, খুসি হালে সাহা জাদি, খাই লেক আছুদা হইয়া। খোসালেতে তুই ছবে, বসিলেক একাদনে

* 別可 # ...

উথলিল শুখ, তুরে গেল তুখ, উভয়েতে হলে জুগল মিলন * আহা মরি ২, ধরে রুচ গিরি, গোন খেথে করে চুস্ব আলিজন *। তাপিত আছিল, সীতল হইল, প্রেম বারি জনি হৈল ব্রিমন *

* ত্রিপদী *

এক বােজ স্থি গ্লে, বিশাদ ভাবিয়া

শেনে, মন্তবাহার বিবি কাছে জায়। কপাট খুলিয়া জবে, ঘরেতে
চলিল দবে সাহাছার। মানুর ছে পায় * স্থি গন জবে আইল,
গোলসন দেখিতে পাইল, অব্নি তাছ নিল ছের প্রেম বিজলি
চম্মক জেন, দেখিল সে স্থিগন, পুন আর না দেখে তাহারে *
বিজলি জেমন রূপে, চম্কিয়া গায়েব আপে, সাহাজাদা ইইল
তেমন। মূরের রওসনি ছিল, গায়েব ইইয়া গেল, দেখে হক্ষ
হয় স্থি গন * নও বাহার বেহাল ছিল, খোসাল দেখিতে
পাইল, স্থি গন ইইল খোসাল। কহে বিবি কহি মোরা, আ
রজ এক পায় তেরা, খাও কিছু করিয়ে গোছল * নও বাহার
বিবি শুনে, কহিল জে স্থি গনে, খাব কিছু গোছল করিয়া।
পরি গন এহা শুনে, তৎক্ষনে জল এনে, দেয় গোছল খোসাল ইইয়া * অবিন মানিক কয়, সাদে কি খোসাল হয়; বিনা
বদ্ধর মিলন না হলে। ছাড়িয়া বিপদি ছন্দ, পয়ারে করিয়া বন্দ
কহি এবে সোনহ সকলে *

* নও বাহারের যায়ের সঞ্চে গোল সান *

* काशास्त्र माक्तां उ इर এवः न 3 वाहां त *

* दिवि जायन यारात काट्य शाल मान *

* জামালের হাল ব্যান করে তাহার ব্যান *

* পয়ার * স্থি গ্ন শ্রুন সরে হইল খোসাল। জল

এনে নাও বাহারে (फ्लांय পেছিল * याका नाकाইয়া शाना जानिया তখনে। রাখিলেক সখি গন বিবির ছামনে । নও বাহার কহে তোরা জাহ নিজ স্থানে: পশ্চাতে খাইব আমি সোন স্থি গ্রে এতেক শুনিয়া জায় জত স্থি গ্না। তুয়ারে কপাট তারা লাগায় उथन * कथन दिश्यल कागाल गयि शन शिल। शालन हरेख जात श्रकान रहेल * मुहे करन दक माइड तरह (थामा-লিতে। খাইতে লাগিল খানা হিলিয়া দোহেতে * খাইয়া (क चाना पानि द्यामाल हहेशा ॥ एहेशा दहिल दिश्ह जापदम মিলিয়া * পৃথি গন গেল ফের বিধিকে দেখিতে , কপাট খুলিয়া গেল ঘরের বিচেতে * জখন খুলিল দার জত শ্যি গ্রা। গোল मान कामाल भाराय बहेल एथन । रिकलि हमक एवन शाहेल (ज थिए । शनक कितारेगा जात ना (पर्थ हरकार क न व वारात विविद्ध (क (मिथिन कार्रेसा। यान्य छेयद আছে गुनिए व-সিয়া * স্থি গন গিয়া কহে বিবিৰ ছছুরে। সত্য করে কহ বিবি व्याभा मवाकारत * विकलि हमरक अन्न भारेन् स्मिथः । भारतव হইল পুর পলক মারিতে 🗴 কেমন রওসনি সেই কেয়তা স্মা; कात । वज्राम कतिया करेंग छाएड कालात अ दिवि दल्ल काणि, किंदू (मिरिट नागाई॥ छाल यम त्यामा जारन यागि जानि नाई, (छरम् र यवत विवि कारत ना कहिल ॥ मिश्र शन (मश इहेट निक् স্থানে গেল * শ্যি গন কহে তার মায়ের হজুরে। দেখিয়াছি याता আজ नও वाशत विविद्ध 🕸 देश्या ছिल न अवाशत (म अ नात राल। हूत्छ यसल रहेरा आहिल यमशाल * भारतक हूत्छ বিবির হয়েছে এখন। পালক্ষেত্তে আছে বসি খোসালিভ ্মেন দ কিন্তু এক আশ্চায্য দেখির চক্ষেতে। গাংয়ব इंदेश। (शल (हिरिएटर * পूछिन जाशांत कथा विवित इक्रुत्त) रिष्ठ ना कहिल विवि छाशा मवाकाद्व * এ कथा कुनिया विवि शामाने আছবে। দেখিতে চলিল তবে বেটির খাতেরে 🕸 সখি গন গিয়া चारत्र क्यां पुलिन॥ जांक एहरत पिरा मारा भारत रहेल *

নও বাহারের মায় নজর করিল। বিজ্ঞালির মোত বিবি দেখিতে পাইল * তাজ্জব হইন বিবি ছুবত দেখিয়া॥ নও বাহারের কাছে विमल कारेशा 🕸 দেখিয়ে বিবির হাল খোসাল হইল। হাল হকি কত তারে পুছিতে লাগিল * সোন বেটা তুমি মেরা জান বরাবর এক বেটী যাত্র তুমি কেন্তু নাহি আর 🕸 তোমার লাগিয়ে বড়া পেরেসানে ছিন্। কিন্তু আদ্ধ দেখে তোমায় খোসালহইণু * এক কথা পুছি আমিতোমার সাক্ষ্যাতে। সত্য করে কহ মাগো আমার কাছেতে * বিজ্ঞলির মত কিবা পাইর দেখিতে॥ গায়েব হইয়ে গেল পলক মারিতে 🗱 নও বাহার বলে কিছু আমি নাহি জানি। কেখনে কহিব আমি সোনগো জননি * নও বাহারেব মায় বলে দেখির নয়ানে ॥ ঝুট কথা কহো কেনো আমার ছামনে * এই রূপে রন বদল করিতে করিতে। গোল সান জামাল তবে গপন হইতে * আপনা ছেরের তাজ তথনি খুলিল। পুশিদা . शाकिया गर्न প্রকাস হইল * ए या উদায় কালে জেয়ছা রুপ হয়। (महे कृत्य माहाकामा हागत्न माड़ाय * मिश्या म क्य विवि , হারা হৈল হোস। অচেতন হইয়ে গেরে হইয়ে বেহোস * নও বাহার বিবি তারে ধরিয়া তুলিল। আতর গোলাব কত ছিটাইয়া षिल* रहाम हदेल विवित विभिन्न छेठिया। গোল मान्ति शान বিবি রহিল চাহিয়া * পুছিতে লাগিল তবে নও বাহার তরে कान कन अरे यर्क करना वायादत *

* ধুয়া নও বাহারের মাতার উক্তি *
কেপ দেখি জার এমন * কেবটে কহনা আমায় কাহার
নন্দন * জাহার কপের কাছে, পরিরা লচ্ছিত আছে;
উদায় হইয়াছে জেন রবির কিরন * কিবা নাকমূখ দেখি.
১ মেগের বরন আখি, মহ হয় পরি দেখি, দেখিনা কখন *
কিবা জুগল ভুরুর ছান্দ, জেন পাতিয়াছে ফান্দ,
অবলার মোন পাখি করেত বন্ধন * চক্র শুয়া রূপ
জিনি, দেখি এহার রুপ খানি, পির পয়গন্ধর কিয়া

ফেরেস্তা এজন * দেব দেবতা মনি কিবা, এমন করেছে সোভা, দেখিয়ে কপ মোন লোভা, না ফেনে নয়ন * * পরার * নও বাহার বিবি বলে সোন আ

* 역정 * न 3 वा शत विवि वर्त (मान जामा জান। যোন দিয়ে সোন কহি এহার বয়ান * কাঞ্চন পুরেতে ঘ্র বাদ্দাব কুমার। বড়া পাহালওান মর্দ্দ জোরে জোরওার * বাগান বানাৰ এক দেখিতে ৰাহার। বেহেন্ত সোমান বাগ অতি সোভা কার 🗱 এক দিন ফিরিবারে জাইতে আছিণ। উডিয়া জাইতে সেই বাগান দেখির * উত্তির সেই ঘড়ি বাগান ভিতর । দে বিয়া বাগান আমি খোদাল অন্তর * কত তুর গিয়ে দেখি এক वालाथाना । वज़रे माकूल एव ठाउँ वामिताना 🗱 कारेटज २ ८११न् भवाषा छे गतत ॥ (भियन् का हेया अहे वाममा कामात * भिया এহাব রুপ হইনু খোসাল। তখনি হইল মুঝে আশক খেয়াল * জেই হৈতে দেখে ছিণু ছুরত এহার।. সেই হৈতে দেল মেরা আছে বেকারার 🕸 কবুল করেছি আমি এহি জ্ঞানেরে। দাসি হৈরে রবো আমি এহার ছঙ্কুরে 🕸 এহার আসকে আমি দেওানা হইর। তোমার ছজুরে সব বয়াশ করিনৃ * কয়েদ করিয়ে তাখে রাখিলে আঘার ! আঘার তালাদে মর্দ আইল হেথার * বড়া পাহালতাম মদ বড়া জোর ধরে। সাহাবাল দেওকে জে আসি शांक स्मारत * वड़ा उकामात वर्षे এই আদম कामा ॥ এठात সঙ্গেতে আমি করিয়াছি এয়ালা 🕸 এহার সঙ্গেতে সাণি দেহ 🖙 আ্যার। এই আরঙ্ক করি আ্যি ছঙ্গুরে তোমার 🕸 শুনিয়ে সে বিবি অতি খোসাল হইল। নও বাহার বিবি তবে কহিতে লাগিল ত সোন কন্যা ,চিন্তা আর নাহি করে। তুমি।বাদ্সাকে কহিয়া তেরা সাদি দিব আঘি 🕸 এত বলি সেথা হইতে উঠারা চলিল। বাদসার হুজুরে বিবি জাইয়া পৌছিল * জোড় হাত হয়ে বিকি লাগিল কহিতে। এক কথা বলি সাহা আমি ছজুরেতে * খুমির খবর এক সোন কহি আমি। মানিক বলে সোন বিবি চুপ থাক ত্মি * পরার ছাড়িয়া আমি ত্রিপদি ছন্দেতে। বাদসার হুজুরে

· * * ত্র কর যাতা গোল সান জামালের * শাহ'র কাছে কহেও কর্ম্ন**খ** * ে সান কে ছফুরে আনাই বার বয়ান *

সোন নাম্দার, কৃছি স্মাচার; ः । दिशिन (क्रयन' ना भिषि कथन, कृष्टि ह . া মাদম কাতেরে, এান প্রকাবে, দিল্ল রুপ্ ে ে ব ্র তাত, ভাতার ছুবাত, মার গৃহয় ১ কে সার 🛠 তে আসি , উনায় হৈয়াছে জেন । রূপ ্ব . ় ্ব কখন , দেখে ভোলে মনির মোন 🕸 নও া ার ছবি , আশক হৈল দেলেতে। সাহা . . : ' সে ভোরে, আসিয়াছে এখানেতে * ় ব্রাবর , নাহি দেখি গ্রিভুবনে। আমিত 💮 🐪 ্রি: কপ তার তু নয়ানে 💥 কাঞ্চন পুরে: - বিবির ঘরে 🕸 জেয়ভা থেটি যোর, উপ া শাণিও। সোন্ধ গাজন; জদি এই জন ত্রে কত প্রণা বাড়িবে কৌছুক, শুথের

: াণ শুনিয়া, কচে খোদ হইয়া, ছজুবেশ্দ াব বিবিরে, আরু আদ্যেরে, হেথা আনো দেবত ; ধরে আদম জাত , দেখিব আমি রি গন বিয়া, তুজনে আনে ডাকিয়া। ্ 😼 ় 🚁 💎 🧸 র দরবাবে, গোল সান প্রণীছে আসিয়া 🔅 তথ্ন, কোথায় আদ্য জাত। নও বাহার ভোলে টুপি দিয়ে হাত * কিঞ্চিত তু বিজ্ঞলি চমকে জেন॥ দেখিয়ে সে রুপ इल निक छान * किছू दाम इरेल, वि-দেখাও পুনা। রুণ জে এমন; দেখিনা

1 ::

ना दर १३' र र र व दस । सञ्दरका १२, : ' भा उद्ध छन्। भ्रा न, शर्फ डान १५०० 7.3 . 5 . 6. . 9 43 र जिया प्राचा कि का १० नादेदा । यो इत्र र दर, आनि राधिवति र्श्व कि किंद्र में, इंड ए স্য়া। পরল হাইয়া জ घडीत, * उड़े करत कर् প্রায়ত ভূরেছে। ভার १४.व लादिन कालिए। ' বিলা, যুখে কেবল করে এ .ব বন্দ, অধিন খানিক 🛷 🦈 ধনও বাহার বিবীকে পু वन्त थानाय ताथि दाद পাগলের মোট

7 , 1

দ্বে হয়রতে পদিল

বিরিল তারে বিনী হৈ

বিসাপনার। তথনি চলি

নও বাহার বিবীরে। ব

থানা ঘরে বিবী নালে

বে ভাষার ২ ঘ্রান্তে

নৈ বিভাইলা বিলি তুড

তি। কারে কবো হবে

গের কার কেই বাহাইল

করিন ইক্সিনাম জ

এজনেরে নিদয়া হইলে *

* नउ वादादतत दिन्ति भान *

ছক্ত মছিবতথে মায়নে গ্রেপ্তার হুণ্ডা এলাহি। কার্থেরে মোক্ষেলকো আছান ঋ তুঝ বগাএর আত্তর কোই নাহি হামারি কার মোক্ষেলকো আছান ঋ ছক্ত মোক্ষেল মে হোঁ আছির খোল মেরে যোক্ষেল কি জিঞ্জির, কারমঞ্চে লকো আছান ঋ দরগামে তেরে কারতা হোঁ ফরিএ্যাদ

এলাহিক্রমস্কেলকো আছান্*তু ছবকা হেয়ছোল তান * এই রূপে নও বাহার কান্দে দিবা নিসি দোকেতে মলিন তার হৈল মুখ সশি * ফর্ক্সখ সাহা বলে উদ্ধির नाकिता এ वर कलक दमता देशल दिन प्रम कूर्ड * भाराष् कवल দিয়া শুমুদ্র পারে। বাটিয়া আইল জেবা আমার শহরে * বাঘ ভালুক হাতি হৈতে আফতে বাচিয়া। সাহা বাল দেওকে শে व्याणिल मातिया * व्यामात घरतर कि कि अर्ग माता पर्छ। वर्छ বদ নাম মেরা হবে দেশ জুড়েঞ্ফতেনোস দেও ভারে লিয়া গেল হরে। উপায় কি করি এখন বলনা আমারে * উজির শকলে বলে সোন আলম পানা ॥ ভাহার কারনে কিছু না করে। ভাবনা এত মছিবতে জেবা আইল বাচিয়া। শাহা বাল দেওকে শে ভিআইল যারিয়া * ফতেনোশ দেও ভারে চি করিতে পারে॥ খোদার রহম আছে তাহার উপরে * সাহা বাল দেয়ে জেয়ছা যারিল হুনরে। ফতেনোশে মারিবেক তেমনি প্রকারে * ওখা নেতে ফতেনোশ ঘরেতে জাইয়া। গোল দান জামালেরতরে ছायत् व्यानिया * দেখিয়া ভাষাকে বড় গোস্বা দেল হইল। দেও গনে তুরাচার ছকুম করিলঞ্চ কয়েদ করিয়ে এরে রাখে ফাটকেতে পাৰ্য চাপাইয়ে দেহো এহার বুকেতে * ভাগিতে না পারে জেন সান্হ খবর। কয়েদ করিয়ে রাখ বন্দ খানা ঘর *

ফতেনোশ দেও গোল সান *

* জামালকে কয়েদরাখিবারবয়ান্*

ফতেনোশ দেও

বয়ে মলুম * গোল বচে তাবে কয়েদ ক

ারা , গোল সানের ছাতি

ে র হইয়া। দেও গ্ন

শা হাদি বুকেতে তাহার

ু': বধি কি করিলে নছি

্ৰৰ 🔭 ন 😁 ্ৰচামাৰ 🛠 ভাহাৰ কা

ে 🚁 🗝 💝 বাদোস করিনূ ছস্কুটে 🔍

ু - মা, বং ক ংহিল রহ্মান ত্মি পা

্ব বং কা ্ ক্রেডে, মুদ্রাকে বাঁচা

শাংস ১ বুল কালে । নতে পড়িল জ্থন ॥ বালে ।

শান হৈ বে সংক্রমন ভালিন বাংলা ব

🔆 ে 🥱 । ৮ १९ - १ কোদরতে 💥 এয়ছা 💡 👉 🦠

" র ব্রুল্ল ক্রের করি। ব্রিল্লান্তর করি। ব্রিল্লান্তর

্রাম প্রিরের কেনে ভূলিয়া রহিলে ছালা ক্রিল জালা

্রেল সান জামালের . .ে -

্ 🔧 ৰাগিনি বেহাগ তা

· বড়ই নিদ্য়া ভূমি * বড়া ভ

- বং গোমি *শুখ আসা ে বা বা বা

- কেন্তুখ থাকুক চুরে ছ

া করিবু আমি, তেক 📪 🔧

া বুকে কবলে আম

দেও আদিয়া গোল 🦥

যালাস করিবার 🤔 👚

পাসান বুবে

রার দেগার। আমি কি 🗸

পরির দেশে তুজনে মিলিয়া 🛠

*গোল সান জাগাল দেয়ের লড়াই ফতে *

* করিয়া ফর্ক্সখ সাহার নিকটে পৌছিবার বয়ান * क जिला * ছেয়া ফামে লইয়া সাতে সাহাজাদা খোদালেতে, জায় মর্দ পরির সহর। ছেয়াফামের কান্দে চড়ে, জায় দেও সন্যে উদ্দে, ফর্ব্লখ সাহের বরাবর * তকের উপরে বদে,ফোর খ আছিল খোসে,উজির নাজির গোনে লিয়া ॥ গোল সান জামাল তখন, হইয়া খোসাল মোন, দুরবা-রেতে পৌছিল জাইয়া 🕸 ফর খ দেখিয়া তায়, বহুতি খোসাল হয়, বসাইল তক্তের উপর। বছতি তারিফ করে, জিজাসিল ফের তারে, কহ বাবা কেরছা সহাচার 🕸 জত কিছু গোজারিল अक्त २ खनारेल ; माराकाना करिया व्यान ॥ (शाल मारने करा ভুনে, বাদ্সা খোসাল যোনে, পরি গনে করিল ক্রমান * খানা পানি মেণ্ডা জাত, এনে দেহ ভাঁতে ভাঁত, সাহাজাদায় খাইবার তরে। বাদসার ছুকুম শুনে, খাবার ছাহান এনে; দিল সবে গোলসাম হুজুরে * নওবাহার ছিল জেখা, স্থি গ্ন গিয়ে সেখা কহে হাল ব্য়ান করিয়া । সোন সোন সাহাজাদি, কহি যোবা तक वाषि, (भोहिल (क जाएम जामिया * करजरनाम (प्रवर्ष ইনভাব, পৌছিয়াছে হেখা কাবে, সোন বিবি খুসির খবর। গোল । क्या किए, श्रांनल मि माहाकाति, देशल यूमि हाकादत त * व्यक्षिन यानिक वला, अलाहि महात्र देवल, दकान यटि । তুকু তার। ত্রিপদি ছাড়িয়ে এবে, প্য়ারেতে কহি তবে ..राकां पित मापित आधवात *

* न उ राहात विवित्र मानित अनुरमत व्यान *

*পয়ার

শব্বাহার সোনে জদি গোলসান আইল। খবর

শুনিয় অতি খোসাল হইল * বদ হালে ছিল বিবীখাকি বন্দ ঘরে
তন দার হইয়া বিবি আইল বাহিরে * ফর্প্রখসাহা তবে কহিল
গোলখনে, খোদা চাতে দিব সাদি সাহাজাদির সনে * এত বলি

क प्रभाश (भागालश्रेया। य प्रत्यवत्त्रत्विल्यां हे। देवा अ के किंद् নাজির গোনে করিল ফরমান। শাদির তৈয়ার করে। জতেক ছামান * উজিব নাজির ছকুম শুনিয়া বাদ্দার। সাদির আছবাই জত করিল তৈয়ার * তাষু কানাত খাড়া করে সত সত সাচ্ রক্স তার বিচেহয় নানা মত 🕸 সহর বাজারে,আর জত ঘ্রে করিল রওশনি খুব জলুস তৈয়ার 🎄 সাত রোজ রাত্র দিন স্হব্ বিচেতে॥ করিল জনুস খুব তাগাসা দেখিতে * জতেক হইলা খুবি বিবির সাদিতে। বয়ান করিয়া তাহা কি কবো সভাতে * একৈত পরির জাত মালের ছরদার। ভাষাতে বাদসার বেটী ক্মি কিবা তার * জলুস হইতে তাতে পাবে কিনা পাবে। খেशाल कतिया दावा जायना जानुद्र * वराम कतिया जामि लि कहिव काम। विभि कथा लिथिल एक भूभि विएक्काम * गार्वा যাবো' কিছু ২ করিব বয়ান। বুঝিতে পারিবে তবেসকল সন্ধান 🛠 তবে এক দিন বুঝে তারিখ করিল। উদ্ভির সবাকে সাহা কহিছে লাগিল 🛊 জলুস তৈয়ার খুব করনা জাইয়া। সাহা জাদির স্বাদ আজি দিব পড়াইয়া 🕸 বাদসার হুকুষ শুনে মিলিয়া স্বেতে ॥ জলুস ভৈয়ার করে দেওান থানাতে চ জর তুজি কত সত ফরস थानिया। पिछान थानात विरु जिल दिखाईया * लाल ज्वारहत কত টাকাঁ আছে তায়। ঝক মক করে চকু ঠাহরা না জাল দেওাল গির ফানুস কত বেলওারিব ঝাড়। লাগাইল চৌ গেতে বিবিধ প্রকার * হিরা জন্তাহের কত অমুল্য পাথর ঝাড়ের চৌদিগে গাবা ভাতে বেশুমারঃ হিরার তবক চারি দিশে লট্কাইল। তাহার জোতেতে ঘর উদ্ধালা হইল # আহি উমরাও লিয়া বাদসা নামদার। আরকান দৌলত সমেত হইয়া ভৈয়ার * মছলেছ করিয়া সাহা আপনি বসিল। নাচ রঞ্জ গিত বাজা হইতে লাগিল * সাহানা পোসাগ জেয়ছা পরি গ্নের ছিল গোল সানে পেন্দাইয়া তাহা মহফলে আনিল * একেত গোল সান ছিল রুপের সাগর। লেবাছ পোসাগে হইল চান্দ

মহফেলের পরি জত গোল সানে দেখিয়া। চাহিয়া রহিল তারা ্রোস হারাইয়া 🔆 অধিন মানিক কহে খুসি খোসালিতে । পয়ার ছাড়িয়া লিখি ত্রিপদি ছন্দেতে *

* लघु जिलि *

বুল হইল, সকলে আইল, লাচ রক্ত হয় কত। নাটুয়া গাণ্ডাইয়া সকলে আসিয়া, নাচে গায় নানা মত * খেম্টা ওলি বাই, নাচেত স্বাই, কর্তর লোটে জে মত॥ কখন জ্মিতে, কখন সন্যেতে,নাচে গ'য় পরি জাত * কেন্ত্ নাচে গায়, কেন্ত বাজায় সবে রঙ্গ করে কত। ছেতারা বেহালা, ঢোলক তবলা, নানা त'र्भ वारक में के छार्दक मूनक, वार्क माना तक, खरन मर्व স্ক্রিছ হয়। মৃত গিত শুনে, সবে খুসি যোলে, এনাম ব্যসিস দেয় *

* ने वारादेश (क्षादिश व्यान *

স্থি গ্ন জ্বতা ছিল, সাহাজাদির काट्ड (शल' माना कर्प दिविदक भाकाय। स्पेत्र निल्क भाय. ন ক্রিয়ে তায়, গোলাবেতে গোছল দেলায় * কিম খাবের ইজারেতে, সাটীনের পেসপ্তাক্তেতে, মতির ঝালর চারি প্রারে। হিরা জ্ঞাহের কতো, অমুল্য পাথর জতো, গাথা তাতে কতো ·থরে থরে * আবরঙা চাদর গায়, ছোনে হারি পাট্টা ভায়' সোনা ্রেত্র কাম কভে।। বুলাক কানেতে বালা, গলেতে পাচনরি ব্রালা, হিরায় জড়িত নানা মতো 🕸 নাকেতে দিলেক নত; কি কবো তাহার বাত, সিতা পাটী সিতার উপর॥ হাতে বাজু পৌছে ইতাড়, পাঁচ দানা বড়েলা আর, কঙ্কন চুর সকলি সোনার * জ্ঞ-্রেরাত জড়াও ছিল, কিবা সোভা তাতে হইল, কোমরেতে দিল हल्प दात्। शार्याण (नशृत माष्ट्र, हल्दन यान यान वाष्ट्र, शाय জুতা তবক হিরার * চক্ষেত্রে কান্সল মিসি, জেন চন্দ্র ভূষে আসি, উদয় হইল ঘর মাঝে। লেবাছ জিওরে আর, হৈল রূপ हग्रकात, (तदहरखन इत दश्न माइक * नत वाहादन माक्रांडेल. বাদসাকে খবর দিল, করে সাহা হহকেলে আনিতে। ছাডিয়া

তিপদি ছন্দ;পয়ারে করিছে বন্দ, কহে যানিক দেল খোসালিতে * নও বাহারের সাদি পড়াইবার বয়ান *

* श्रात ***** সাজাইয়া নওবাহারে জত স্থি গ্র বন্ন তালা লইয়া হাতে চলিল তখন 🕸 মহফেল আরাস্তা খুব ছিল জেখানেতে। নও বাহারে লিয়া গেল গোল সানে বরিতে * নও বাহার বিবী ৰুদি মহফেলেতে গেল। মহফেল সমেত সবে উঠে খাড়া হইল 🛪 নও বাহার বিবিকে লিয়া সখি গনে বন্ন ডালা লিয়া হাতে খোসালিত যোনে * গোল সান জামালে বিবি বরিতে লাগিল। গোল সাম জামাল দেলে খোসাল হইল 🛪 নও বাহার তুলে মালা খোসালিত দেলে। আপনার হাতে দিল গোল गानित गल * न उवादात याला कि ए शाल गानित किल। यह-ফেল সমেত সাহা খোসাল হইল * নও বাহারে বসাইল গোল সানের বাঁয়। মোল্লাজি আসিয়ে তবে সাদি জে পড়ায় 🕸 বাদসা জাদির সাদি হইল জখন। বহুত নেছার দিল জত পরি গন * হিরা মতি জওাহের অযূল্য পাথর। পরিগোনে দিলকতো সোনার মহর 🗱 দুলা দোলাহিনে তবে হৃত পরি গন ॥ মহলে লইয়া গেল খোসালিত যোন * জানানা রছম পরির জে রূপে আছিল পরি গন মহলেতে সকলি করিল 🕸 তার পরে পরি সবে গেল জে চলিয়া। গোল সান রহিল ঘরে খোসাল হইয়া 💥 যুগল মিলন किपि ट्रेन (पारात । মৃত্য (पर् कान (कन थारेन (पारात * গোল সান জামাল বলে নও বাহার বিবিরে। সাক্ষ্যাত জে হবে আর না ছিল অন্তরে * বিধাতঃ শদর ছিল মিলন হইল। ছত তুখ গেল তুরে শুখ উপজিল *

* গোল সান জামাল নও বাহার বিবিকে *

* হিন্দী জবানে আপনা হুক্ষের হাল কহে *

কেয়া মছিবতছে তুঝে দিয়া মুঝে পরওার দেগার *

কাহনে ছে উহ মাজেরা দেল হোবে বেকারার * দিয়া
পাখ্যার ছিনা উপার, ওছ গামছে দেল থা বেকারার,

দেলে নালা চশ্ম গির্ঞা রোয়া জারে জার * না থা ওক্ষেদ দেলমে খেরে, ফের মোলাকাত হোগা তেরে,তুঝ বেগ্যের দেলফ'ট জাতাথা চশ্মথা খূবার*

*পয়ার *

তইগোত কহা বলা কোরে চুই ছন।

তথেতে কাঠায় নিসি খোসালিত ঘোন * খুসি খোসালিতে

থাকে বিবির সঙ্গেতে। কিবা দিবা কি দিসি থাকে হর্মিতে

চুই তিন মাল এয়ছা গোজারিয়া গেল। মা বাপের কথা তার

মোনেতে হইল*নও বাহার কহে তবে সোন প্রানেশ্রি ॥ আপনার

দেসে আমি জেতে ইচ্ছা করি * মা বাপের খেলমত

লাজেম আমায়। দেল খোসালিতে মুঝে দেহনা বিদাম একথা
ভানিয়া বিবি বাদসাকে জাইয়া। কহিল সকল কথা বয়ান করিয়া
আলম পানা ছালামত কহি ছন্তরেতে। তোমার দামাদ চাহে

দেসেতে জাইতে * কহিমু ভোমার কাছে করিয়া বয়ান। উচিত

জেত্র তাহা কত বালা লান *

* গোল সান ছামাল নও বাহার বিবিকে সজে *

* লিয়া আপনার দেসে জায় ভাহার বয়ান *

* পয়ার *

কর্মধ সাহা ছদি একথা শুনিল।
গোল সান জামালে তবে বোলাইয়া লিল ॥ কহিতেলাগিল বাদসা
গোল সানের তরে॥ আমাকে ছাড়য়া তুমি চাহ জাইবারে *
তোমাকে ছাড়য়া মোরা রহিব কেমন॥ তোমার কারনে রবে
মোন উচা টন * শুনিয়ে গোল সান তবে কহিতে লাগিল ॥ বুর্দদ
মাতা পিতা ঘরে না জানি কি হইল * মা বাপের খেদমত
লাজেম আমায়। খোসাল খাতেরে মুঝে দেহনা বিদায় * ফর্ম্মখ
সাহা জদি এমন সুনিল। উজির নাজির তরে বোলাইয়া লিল *
লাল জাওাহের কত অমূল্য পাথর। হিরা মতি কত আর সোনার
মহর * বে বাহা দৌলাত সব খাঞ্চায় পুরিয়া। ভারি ২ কিমতের
কাপড় আনিয়া * দামাদে জৌতুক দিল খুসি খোসালিতে। দশ
বিশ পরি আর দিলেক সঙ্গেতে * নও বাহার বিবি তরে দিলেক

শুপিয়া। খোসালে দেলেক সাহা বিদায় করিয়া * নও বাচার বিবি আর গোল সান জাঘাল। ছালাম তছলিম করে হইয়া খোসাল * কুরছির উপরে দোহে ছওার হইল। পরি গন লিয়া কান্দে উড়িয়া চলিল * ছেয়াকাম দেও শাতে চলিল উড়িয়া। এক সহরতে সবে পৌছিল জাইয়া *

* ছোমছাম সাহার বেটির উপর ছেয়াফাম দেও * * আসক হয় ও তাহাকে লইয়া জাইবার বয়ান * ছোমছাম নামে বাদ্দা সেই সহরেতে * 9314 হাছিন এক বেটী ছিল তাহার ঘরেতে * দেলারা নামেতে বিবি বছই শুন্দরি। কি কব তাহার রূপ জেন্ বিদ্যু ধরি 🕸 ছেয়াফাম তার রূপ দেখিয়ে সক্ষবে। আসক হইল দেও তাহার উপরে গোল সানের কাছে কহে করিয়ে বয়ান। বাদসার বেটিকে দেখে বাচেনা পরান * সাদি দেলাইয়া দেহ তাহার সফেতে। আমার আর্জ এই তোমার খেদ্যতে * গোল সান জামাল তার মতলব दुविशा। পश्रशाय (ভিজিয়া দিল সাদির লাগিয়া 🛪 শুনিয়া সে বাদসা কহে দেয়ের স্ফেতে॥ মান্সের সাদি আমি দিব কি রূপেতে - একথা শুনিয়া কাছেদ ফিরিয়া আইল। গোল সানের কাছে এসে কহিতে লাগিল * ছেয়াফাম শুনে ভাছা না উ ক্ষেদ্ হইয়া। আপনি রহিল দেও ছের নঙ্ইয়া * গোল ना জামাল তার মতলব বুঝিয়া।ছেত'র লইয়া হাতে চলিল উ কহিতে লাগিল তবে ছেয়াফাম তরে। নাচ বাজা করি গি.. यानुभात प्रवादि । (वर्षाम बहेर्द कर्द शक्रम खिनिया। रिन्माता. বিবির তারে আনিবে তুলিয়া 🕸 এত বলি গেলো দোন বাদসার प्रविद्या । यवत भारेदा मारा दालाग्र रुक्त * भारन छाला আইল জদি মসহর হইল। শুনিয়ে তামাম লোক দেখিতে আইল ছেতার লইয়া হাতে বাজায় তখন। অতি শুমধুর সূরে আর-ভিল গান * করিতে লাগিল গান আ গ্রান্ত করিয়া। মহ হইল সক-লেতে সে গান শুনিয়া * ছেতারের বাজা আর গায়েনের তান

শুনিয়া সকল লোক হারাইল জ্ঞান * ছেয়াফাম দেখে সবে হোস হারা হইল। দেলারা বিবির তরে উঠাইয়া লিল * বিবিকে लहेल कि जिल भान (पिया। (मिथान थाकिया यक हिलाला উঠিয়া *পরি গন কুরছি লিল কান্দের উপরে। ছেয়াফাম লিলো কান্দে দেলারা বিবিরে * উড়িয়া চলিল সবে হাণ্ডার উপর। कारेशा (भोष्टिल क्या जिल मार्जित घत * जिथिशा जिल मान विवि शामाल रहेल। नख वाहात विविद्य कि वाख वाखाहेल * হাল হক্তিকত বিধি গোল সানে পুছিল। বয়ান করিয়াসব বিধিকে কহিল * দেল সাদের বাপ শুনে খোসাল অন্তরে। মেহমানি করিয়া খানা খেলায় সবারে 🕸 এক রোজ সেখানেতে রহে ওত-तिया। (पल माप विविद्य कि मध्य एक लहेया * यूमि (थामा-লিতে সবে হইল বিদায়। সেখান থাকিয়া মেকলিয়া তবে জায় কুফুর বাদসার দেসে জংইয়া পৌছিল। দেখিয়া তাহার বিব খোসাল হইল * মেহমানি করিয়া খানা স্বাকে খেলায় ॥ খুসি খোসালিতে সবে খালা পানি খার 🕸 সেখান থাকিয়া ফের রপ্তানা হইল ৷ কাঞ্চন পুরের দেসে জাইয়া পৌছিল 🛊 গোলসান্র বাপ তার খবর পাইয়া। বড়ই খোদাল সাহা দেলেতে হইয়া * খোদার দরগায় কত সোকর ভেজিল । যার্ত্তার সিন্দুক জেন काषाल थाईल * जाल वाष्ट्रांडेल माहा (शामाल शास्त्र । वक् विषय लिया राज वायनात चात * राज मारनत गाय विवि দেখিয়া ছাওাল। দেলেতে ইইল বিবি বছত খোসাল * খুসির কান্দন্য লাগিলকান্দিতে। বহুদিগে দেখে খুদিহইলদেলেতে সাহাজাদা আইল দেশে শুনে সকলেতে। সহরের লোক সবে षाहेल (परिटिक 🛪 ने व वाहात । एतन मार्म मकरल (परिश्रा। আপন আপন ঘরে চলিল ফিরিয়া * দুই বছ দেখে খুসি হইয়া অন্তরে॥ দিশুন বাড়িল সুখ বেগম ও বাদসারে * ছেয়াফামে গোল সান ডাকেয়া ছজুরে। জাইতে কহিল ভারে আপনা সহরে ৯ পেলারাকে লিয়া ছেয়াফ্যে জবে জায়॥ গোল সানের

ভবে দেও হাত কৃত্তে কয় & রোহছত হইয়া জাই দেকে আপনার
ভূলিতে নারিব আমি এহছান তোমার & অংমাকে রাখিবে সাহা
সদাই দেলৈতে। দরকার হইলে আমি পৌছিব খেদমতে *
এতেক কহিয়া দেও ছালাম করিয়া। দেলারা বিবিকে নিলো
কান্দে ওঠাইয়া * সন্না ভরে উড়ে চলে হাওার উপরে। পাঁচ দিনে
পৌছে গিয়া আপনা সহরে * গোল সান ভামাল তুই বিবিকে
লইয়া। আপনার ঘরে রহে খোসাল হইয়া * তুই বিবি লিয়া
জামাল রহিল ঘরেতে॥ বড়ই আরামে থাকে দেল খোসালিতে *
এই রূপে কত দিন গোজারিয়া গেণ॥ তৈগুছ সাহার পরে আফত
পৌছিল' * কায়ান সহরে বাদসাফেরদৌছ নামেতে। আদা গ্রাতি
ছিল তার তৈমুছের সাতে * বছত লক্ষর সেই লইয়া সঞ্চেতে।
কাঞ্চন পুরেতে আইল লড়াইকবিতে * সোনহ শুক্তনস্বে কহিছে
স্বায়॥ লড়াই হইল শুরু দেখো কিবা হয় *

* ফেরদৌছ সাহা কায়ান সহর হৈতে লক্ষর লইয়া *

* কাঞ্চন পুরে লড়িতে আইসে তাহার বয়ান *

* পয়ার *

কায়ান সহরে বাদসা ফেরদৌছ নামেতে
বছত লস্কর সেই লইয়া সঞ্চেতে * কাঞ্চন পূরেতে জায় করিতে
লড়াই। তাহার বয়ান কহি সোন সবে ভাই * এক লাখ বিশ
হাজার ঘোড়ার ছওার। সব জেরাপোশ আর বড়া জোরওার *
পচিশ হাজার হাতি লিল ফাসি দার। পায় দল জতেক লোক কে
করে সমার * দশ হাজার তিরন্দান্দ সম্প্রেতে লইয়া। কাঞ্চন
পূরেতে জায় রওানা হইয়া * আগে চলে ঝাণ্ডা আর পিছেতে
লক্ষর। আপনি চলিল বাদসাহইয়া তৈয়ার * হাতি ঘোড়া গাড়ি
ভিট জায় বে সমার। কে করে সমার তার নাহিক সমার * কাঞ্চন
পূরেতে সবে রওানা হইল। গর্দ্দ উড়াইয়া রাহে লক্ষর চলিল *
মজেল ২ রাহা জায় নেকলিয়া। কাঞ্চন পুরেতে সবে পৌছিল
জাসিয়া

জাবি ক্রাশ বাকি রইতে তৈয়ুছেরগড়। করিলেক ডেরা

খাড়া মএদান উপর‡কোসানা যয়দানজনিলন্ধর পাইন। ঝাণ্ডা ও নিসান সবে সেখানে গাড়িল *তামু ও কানাত খাড়া করে স্থানেং কেলাবন্দি করিলেক সেই জে ময়দানে 🛭 খোসালিতে খানা পানি পাকাইয়া খায়। বাদ্দার কাছের এক পৌছিল সেথায় * অনেক লম্বর দেখে ময়দান উপর। কাছেদ আইল তার জানিতে খবর ছালাম করিয়া কহে জুড়ি তুই হাত॥ আলম পানা ছালামত সোন যেরা বাত ৬ কাহার লস্কর এই কোন দেশে ধর। এখানেতে আসিম্নাছে কিসের যাতের * বোঝাইয়া কহো মোরে সনো নামদার। বুঝিতে পারিব জিদি পাই স্যাচার * শুনিরা আপনি সাহা-কহিল তাহারে॥ জাইয়া থবর দেহ তৈযুছ সাহেরে 💥 আ-পনা ভালাই জদি আপনি সে চায়॥ কাপড় গলায় বেন্দে আসুক হেবার 🛠 নহেত সংরে আমি জাইরা তাহার। গারত করিয়া দিব মারিয়া তলভার ধপয়জার মারিয়া তার উভাবগদান ভাঞিব। ं प्रिथाश তात विवादिवशान # (फत्राप्ती कार्याट वान्सा कार्यात्मर क ঘর। তাহার লক্ষর এই জানিবে খবর 🛊 এতেক শুনিয়ে কাছেদ রপ্তানা হইয়া। তৈমুছের কাছে তবে পৌছিল জাইয়া * ছালাম করিয়ে কহে বাদসার হুছুরে। ছাতি পরে হাত দিয়ে কহে ধিরে ২ আলম পানা ছালামত কহি ছন্তুরেতে। কায়ান সহরের বাদসা ফেরদৌছ নাখেতে * বছত লক্তর সেই লইয়া সঞ্জেতে॥ ভো-যার শহিত আইল লড়াই করিতে * আপনা ভালাই জদি চাহ নামদার। মোকাবেলা করো গিয়ে সঙ্গেতে ভাহার 🕸 এডেক বলিয়া কাছেদ বিদায় হইল। শুনিয়ে তৈমুছ সাহা ভাবিতে लाशिल % উक्ति नवादक वानमा निन द्वालाइया। नवाकात उद्ध কহে বয়ান করিয়া * তুশান আমার পরে আসিয়া পৌছিল। কি করি ভদবির এবে বুজাইয়া বলো * ভোগরা গাফেল সবে বসিয়াছ ঘরে ॥ ছেশাহি লইয়া জাও লড়িবার তরে * বোবহান মানেতে এক উজির আছিল। হকুম মাফিক সেই লস্করেতে গেল । त.स ८१८ विरु क ए हिल नाम्मात । ज्याकार्त खनाहेल हुनू म द. मुभात

শুনিয়ে সকৃম জত ছেপাই ছারনারে। তৈয়ার হইল সারে মহিম্ থাতিবে ঋ দুই লাখ অ'শি হাছার বাদসার লক্ষর। কোমরবান্দিয়া দাবে হইল তৈয়ার ঋ এক লাখ ছিল তাতে ঘোড়ার ছণ্ডাব। ত্রিশ হাছার হাতি ছিল ফাসি দার ঋ তিরান্দান্ধ জত লোক কি কহিব কারে। সাজিয়ে চলিল সবে লড়াই খাতিরে ঋক্তেক লক্ষর ছিলমহিমেচলিলো। এনামসবাকে দিয়াখোসাল করিলো ঋ বোর-হান উজির তবে করিয়ে ছারদার। রণ্ডানাকরিয়েদিল জন্ধকরিবার ঋ

* বোরহান উ,জির লস্কর লইয়া ফেরদৌছ *

* সাহার সঞ্চে লড়াই কবিতে জাইবার ব্যান *

বাদসার লক্ষর সবে কোমর বানিদর্শ মু রূ পরার 🛊 ময়দান উপরে গেল রওানা হইয়া * ঘোড়া কোদাইয়া সবে চলিল্ यश्रनात्न। (चा जात शाराम भूल (शोक्ति शश्राम * (घा जात दिन হিন আর লক্তরের সোরে। কেয়াম ছ হৈল ক্লেনো সহর মাঝারে * काइया (शोष्टिल সবেময়দান উপর । ফেরদৌছেরলোকসবে হইল े उथात क्ष्ये पत्न याकारवला इहेल कथन। लक्षत्व छात र्शल তামাম ময়দান ধরন দিল। বাজেক তভেউর ভুর ল । ওনিয়েছেপাই शत्मत (बर्फ शिला सक * श्वाष्ट्रा कानाइरक मरव लाशिल यस-पादन। कादन काला लादग खदन रचाजात हिन हिदन * क्वत्रकोछि। लक्षत्र रेट्ट नारमण्ड चाक्यात्। वड़ा पश्चान अम वड़ा रक्षीत পার 🖈 ফেরদৌছের পার সেহ ছালাম করিয়া। ময়দান উপরে 'बाहेल चाड़ा कानाहेशा * हांकि उ लाशिल यम यशनात्म बा-निया। कि वानित लिए वाद्व वाइमना हिल्या * তाशिन हिल्या কেন আইসনা ময়দানে ॥ হরিফ ভোমার খাড়া দেরি করো কেনে বোরহানের দিগে হইতে নামেতে আলফার। মহিম ময়দানে আইল ঘোড়ায় ছণ্ডার *আজগার হাকিয়ে তবে লাগিল কহিতে কেমনে লড়িতে আইলি আগার সঞ্চেতে 🕸 ছাগলের যোত আমি দেখি জে তোমারে। এখনি পাঠাইয়ে তোরে দিব জোম ঘরে * আলফার শুনিয়া করে গোশা দেল হইয়া। বাঘের চকলে আন্থি

ঠেকেছ আসিয়া * গিধড়ের মোত আমি দেখি জে তোমারে। কেমনে লড়িবি তুই আয়ার হুছুরে 🛊 এ কংগ্ন আজগার গোসা েলেল হৈয়া। আলফারের পরে মারে গর্জ্জ উঠাইয়া * আল-कात लेरेल काहे जात्लत छे पत्। जात्ल ज लागिया ७ छ भारत জমি পর 🗱 নিজ গুর্জ্ভ উঠাইয়া আলফার মারিল। আজগার ঢা-লেতে তাহা রদ কোরে দিল * আজগার শাহালতান তবে তেগ নেকলিয়া। আলফারের পরে যারে জোরেতে খেচিয়া * আলফার দিল ঢাল ছেরের উপর॥ রদ হইয়ে গেল জে আজগারের ছলওার এই কপে তেগ বাজি করে তুই জন। কেন্তু কারে নাহি পারে 🔭 র্মীনে সমান * আজগার পাহালভান ছসিয়ার ছিল। বাঁয় । দেখাইয়ে হাত ডাহিনে মারিল # এয়ছা জোরে তেগ মারে আল-ফারের ছেরে। ঢাল সহিত দুই ফাক কাটীলেক তারে * আল ফার ছরদার মারা জখন পড়িল॥ তুছরা পাহলওান ফের লড়িতে ,আইল * লড়িল সে ঘড়ি চুই আজগারের সাতে॥ আখেরে পড়িল মারা আছগারের হাতে 🕸 তবে একেং জত লড়িতে আইল। আজগারের কাছে আদি ফিরে নাহি গেল * চাল্লিশ ছরদার মারে আজগার জন্তান। দেখিয়া হয়রান হইল উদ্ধির বোরহান * দিবা ু । অবসান হৈল নিয়া সাম কালে। বাহুড়ি নাকারা তবে বাজে তুই पति * जात (जरे पति (मरे कितिया वारेल । वाकगात (कत्पी-ছের পায় ছালাম করিল * ফেরদৌছ সাহা অতি খোদাল অস্তরে এনাম বক্সিদ দিল আছগার ছর্নারে * এনাম ব্যদিস পাইয়া আজগার তখন। খোসালিতে গেল চলে খিহাতে আপন * খানা পানি খাইয়ে তবে রহে খুসি যোন। নিসি পোহাইয়া দিন হইল ছখন * ধুধু নাকারা তবে বাজিতে লাগিল। শুনিয়া ছেফাই সবে কোমর বান্দিল*ঘোড়ায় চড়িয়া গেল ময়দান উপর॥ তুই দলে লস্বরের হৈল ন্যুদার * বোরহানের লস্কর হৈতে নামেতে খাকান। ঘোড়ায় ছণ্ডার হইয়া গেল সে ময়দান * হাঁকিতে প্রাণিল অতি করে জোর সোর। শুনিয়ে আছপর আইল ময়দান

উপর * খাকান সারিল তেগ আছগারের পরে। আছগার করিল রদ চাল দিয়ে ছেরে * আছগার মানিল গুর্জ্জ ঘুমাইয়া ছোরে। কোমরে লাগিয়ে তার গেরে জমি পরে * এয়ছা ছোরে গুর্জ্জ লিয়া মারে পাহালওান। গোর্জ্জের ধোমকে তার নেকলিল জান আর এক পাহালওান আইল লড়িতে। সেহবি পড়িল মারা আছ্রণারের হাতে * এই রূপে জত জন লড়িতে আইল। আজগারের কাছে এসে ফিরে নাহি গেল *দেখিয়ে বোরহান উজির গোস্বায় ছলিয়া। লস্কর সবায় মর্দ্দ কহিল হাকিয়া * একেলা আসিয়া এত মারিল ছরদার। কেহুনা পারিলি তোরা সঙ্গেতে ওহার * একেলা লড়ে ফতে নাহি হবে। কালি এক সাতে হইয়ে লড়ো গিয়ে সাবে * তবে বাছ গন্তি তবুল বাজিতে লাগিল। জার জেই দলে সেই ফিরিয়া আইল * খানা পানি পাকাইয়া খায় সকলেতে খোসাল খাতেরে রহে খিমার বিচেতে * অধিন মানিক কহে ভরসা ছোবহান। পয়ার ছাড়িয়া করি ত্রিপদী বয়ান *

ত্রিপদী

নিদী হৈলো অবসান, ওঠে জত পাহাল্ডান, কোমর বান্দিল জনে । ধূদু নাকারা বাজে, জতেক ছেপাই সাজে, জাইতে জে মহিম ময়দানে * তুই দলে আছণ্ডারে, আইল ময়দান পরে, ঘোড়া কোদাইয়া সবে ফেরে। বোরহান উজির তবে, আপনা লক্ষর সবে. করে হকুম লড়ি বার তরে * শুনিয়ে ছকুম তার, ছিল জভ আছণ্ডার, একে বারে চলিল সাজিয়া কায়ানি লক্ষর জেথা, জাইয়া পৌছিল সেথা, মারে তেগ জোরেতে খেচিয়া * কায়ানি লক্ষর সবে, হাইয়া আইল তবে, তুই দলে গেল জে মিসেয়া। নাহি চেনে কেছু কারে, বে দেরেগ তেগ মারে, সতং পাড়ে জে কাটীয়া * আজগারপাহা লভান , মারে ভেগ খরসান, লছ নদি বহায় য়য়দানে। কলার বাগান হেন, কেটে চলে পাহালভান জেবা তার পড়েত ছামনে * মারং ধর ধর, হৈল বড়া সোর সার, জেথা জারে পায় শেথা মারে। তলভারেং লড়ে সতং জোর প্রার, কেটেপাড়ে হাজারে হাজারে * গোর্জের লড়াই

কোদাইয়া জায় খোসালিত যোনে * বোরহান উদ্ভির জিন শুনিল খবর ॥ গোল সান জাগাল আইল লইয়া লক্ষর * আগু वाड़ाइया लिल वापमा कापादत । शामात्ल वमाय लिया कुरु चित উপরে * সাদিয়ানা বাজা কত লাগিল বাজিতে। সরাব কাবাব বসে খায় খোসালিতে * নিসি গোজারিয়া গেল ফজর হইল * গোলসান জামাল ভবে হুকুম করিল * কোমর বাশিয়া সবে হওনা তৈয়ার। ময়দান উপরে জাহ জত আছওার* হুকুম শুনিয়া শ্বত ছেপাই অ'ছিল। কোমর বান্দিয়া সবে তৈয়ার হইল * জকের তর্বল চবে লাগিল বাজিতে। শুনিয়ে লস্কর সবে গেল ময়-বানেতে * নামেতে নছরত জল এক জোরভার। হাতি কাছা-ডিয়া মারে এত জোরতার * গোল সানের পায় সেই ছালাম कित्या। गरमान छेपात शिल चाए। कामारेश * कारान लक्षत হৈতে নাগেতে খোরজান। বড়া জোরওার সেই বড়া পাহাল-হত্তান রু কোমর বান্দিয়া সেই ময়দানে আইল। নছরতের সাতে क्रम (याकारवल। रेशल * हुई छत्न (याकारवला र्हेल छथन। न्ह রত ছুর্দার হেকে কহিল তখনক্ষি নাম কোণায় ঘর কহপাহা-লওান . বে নামেতে কেন তুমি হারাইবে জানঃশুনিয়ে খোরজান বলে নাম আপনার। কহে কতোজো রাথ মারো ভলওার *এত স্তুনি খোরকাম গুর্জ্জ উঠাইয়া। নছরতের পরে মারে জোরেড়ে খেচিয়া * নছরত লইলচোট ঢালেরউপরে। নিজ গোর্জ্জ চুলেমারে थात्कात्नत क्ट्रांत * थात्कान सरेश (ठाउँ ए'ल वायनात । नह-রতের পরে মারে খেচিয়া তলগুর * শছরত লইল চোট ঢাল দিয়ে ছেরে। এইকপে তুই জনে তেগ বাজি করে * নছরত পাহালপ্তান বড়া হুসিয়াব ছিল। বাঁয় দেখাইয়' হাত ডাহিনে মারিল * এয়ছা জোরে তেগ মারেনছরত জ্ঞান। খোরজান পাহাল্ডান গেরে হইয়া তুই খান * খোরজান পাহাতান জদি জমিনে গিরিল (पिर्या ज: हात काहे धाहेरा बाहेल * नारम (मत्कान (महे वड़ा 🕒 জোর ধরে। ধারয়। হাজির ওড় ফোকে দেয় ছুরে * ময়৽ানেতে

* 30 *

ইয়া মণ্ডব * সেরজ্ঞান তার চোট বল কোরে দিল। আপনার তেগ क्षित छेठारम मातिल 🕸 दरे क्रिंग कड कम लाए भार कान নছরতের হাতে মদিহারাইল জান#সের জান পাহালওান জ্যিনে পিরিল। পাহাড় গিরিল জেয়ছা আওাজ ইইল‡ দেখে সেরজানের হাল হৈয়ে গোস্বা যোন। মনিন নামেতে মর্জ আইল এক জোন বড়া জবরদত্ত সেই বড়া জোর ওার ॥ লাম্বা চওরা বড়া উচা পাহাত আকার 🛊 নছরতের কাছে এসে গর্জিতে লাগিল ॥ গালি দিয়া নছরতেরে কহিতে লাগিল * গিধড়ের মোত তুই ছতার মারিয়া : ভাহাতে ভোমার দেল গিয়াছে বাড়িয়া * আইস দেখি মেরা পরে যার তলপ্রার। বুঝিব মর্দামি তেরা কেমছা জোরপ্রার। শুনিয়া নছরত মর্দ্দ হৈয়া গোশ্বা মোন। ম্যিনেরপরে তেগ্মা: जगन क हात्लर ज लहेल हो । यिन इत्राह । न इत्राहत शस्त्र মারে গোর্ছ্ছ আপনার * নছরত তাহার গোর্জ্জ রদ করে দিল। ম্মিনের পরে নেজা ঘুমাইয়া মারিল 🗱 ম্মিন পাহালওান অভি হেকমত হুনরে। নছরতের পরে গুরু ওঠাইয়া মারে 🕸 এয়ছা দোরে গোর্জ গোটা মারে পাহালওান। নছরত গাফেল ছিল গিরিল নিদান্
* জখন নছরত ভঞ্জি জ্যিনে গিরিল। ম্যান পাহাল-ভান তেগ বেচিয়ে মারিল 🕸 এরছা ভোরে যারে ভেগ মমিন খেচিয়া। ধড় ছের গেল তার আলাদা হইয়া র বছরত পাহালওান মারা পড়িল জ্বন। চুছরা ছেপাই আইল মহিম কারন * ঘড়ি এক লড়ে সেই হারাইল কান। দেখিয়ে আইল ফের দুছরা জ্ঞান কত ক্ষন লড়িয়া সে যমিনের সাতে। আখেরে পড়িল যারা যযি-নের হাতে * এই রূপে জত জন লড়িতে আইল। মমিনের কাছে এবে कित्र नाहि (शल * पिरिय शाल मान काशाल शाया एक दिशा॥ गरामात्मरू (शल वर्ष (घाड़ा उठावेदा * शाचा दिला देवरा क भाग मानिक

।মিন তবে তেগ লিয়া . . . নর মাথে 🔆 গোল সান ামরতার আপনারহাতে এওটা না শলা গাল ২ হৈয়ে গেল ম্মিনের : । 💌 গার্গ গোল সাংন্যু ক · 'হিল কহ আপনার নাম ু' ' * আছু গার শুনে ? · নৈ এতো অহলার * এ 🛝 🕶 য স্থারের ছের পরে ভল 🐩 🕏 🔫 💢 🤧 লৈতে উড়িয়া। গোল সালে 👝 ⋰ 🦳 া যারিল চোট গোল ২ বিশা 🤼 💌 🧎 ৬ বর উপরে 🕸 এই রুপে ন স্মাল অতি গোস্বায় তখ্য ম: । উচ্চেং কেটে দুই ফাক । ্রে বু এব । মনে কাছাড়ে। আর এক ু ্ াদ্বাবের হার ভ্রম পাই ्र स्टाइन्ड ल मार्क्त स्मारन के कि 🕝 🧊 😭 কায়ানি লন্ধরে গেরে 🕻 ন । । । এলাহি ভাবিয়া। ত্রিণ

> কায়ানি কাফেল তেগ বে দেরেগ হৈয়া ইয়া রোনে; গোল সানে গপরে, চু হাতে তলওার দেখিয়া বোরহান ত

প্রার ছাড়িরা 🚁 🗥

लेल वािशक्षाद्र धत ध







লোলখান সভবাহার

ना नि क

ধাংশ একাডেমী চাকা